जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पहलगाम में नरसंहार

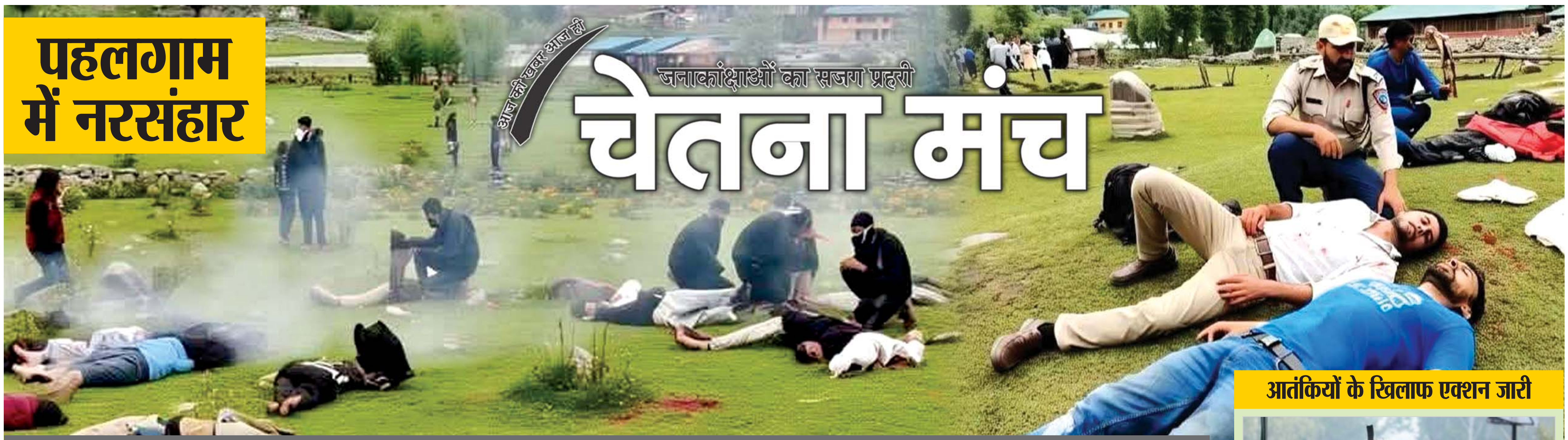

भारत में 'सुपर कैबिनेट' पाकिस्तान में खौफ

नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजरी बोर्ड का पुनर्गठन

• पाकिस्तान में राफेल की दहशत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के गुनहगारों की उलटी गिनती शुरू हो गई है। भारत के इरादे साफ हैं। आतंक और आतंकी दोनों को जड़ों से सफाया किया जाएगा. मोदी सरकार ने सेना को खुली छूट दे दी है और अब फैसलों पर फाइनल मुहर का वक्त आ गया है. बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार बड़ी बैठकें करने जा रहे हैं और ये बैठकें पाकिस्तान को लेकर बेहद अहम मानी जा रही हैं. इन बैठकों पर पूरे देश की नजर है। प्रधानमंत्री की सुपर कैबिनेट उस समय हुई थी जब पुलवामा में आतंकी हमलों में भारतीय सेना के सैनिक शहीद हुए थे। इस सुपर कैबिनेट के बाद आतंकियों के ठिकानों पर एयर स्ट्राईक की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी की बैठक के बाद से पाकिस्तान में खौफ है। वहां के मंत्रियों ने दावा किया है कि 30 से 48 घंटे में भारत पाकिस्तान पर सैन्य कार्यवाही करने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में बुधवार सुबह 11 बजे सबसे पहले कैबिनेट सुरक्षा कमेटी की बैठक हुई। उसके बाद पीएम की अध्यक्षता में CCPA की अहम बैठक होगी। तीसरी बड़ी मीटिंग कैबिनेट की आर्थिक मामलों की कमेटी (CCEA) की होगी। उसके बाद आखिरी में कैबिनेट की बैठक होगी। पहलगाम हमले के बाद कैबिनेट की यह पहली बैठक होगी। इसी बैठक में उन प्रस्ताव और फैसलों पर मुहर लगेगी, जिन पर लंबे मंथन के बाद सहमति बनेगी।

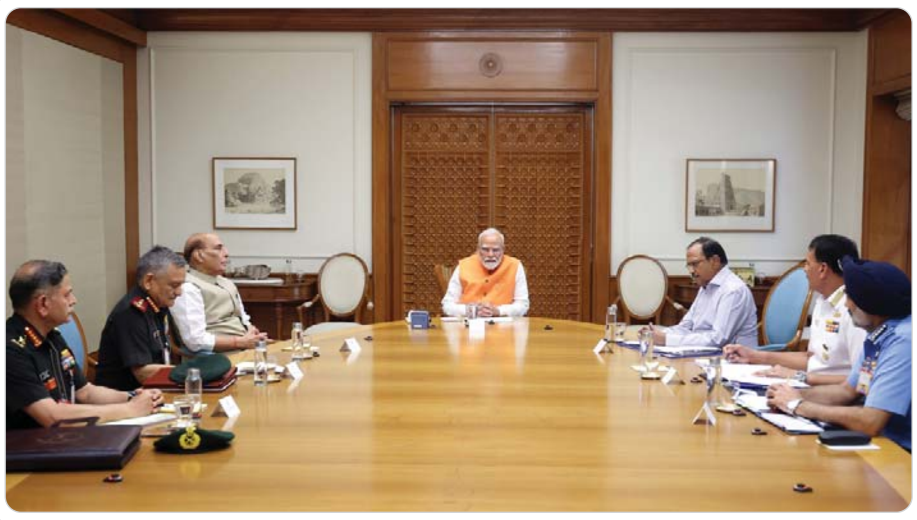

पाकिस्तान का डर, भारत करने वाला है हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आतंकवाद पर लगाम लगाने में अपनी विफलता से ध्यान हटाने के लिए, पाकिस्तान के संघीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने एक बयान जारी कर नया दावा किया है। मंत्री ने रात दो बजे प्रेसवार्ता की जिसमें भारत पर कई गंभीर आरोप लगाए। अताउल्लाह तरार ने दावा करते हुए कहा कि पाकिस्तान के पास 'विश्वसनीय खुफिया जानकारी' है, जो बताती है कि भारत अगले 24-36 घंटे के भीतर पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने की योजना बना रहा है।

बॉर्डर पर तनाव, पाक फौज ने की गोलाबारी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी का दौर जारी है. दोनों देशों में मौजूद नागरिक अपने-अपने वतन वापस जा रहे हैं. आज राजधानी दिल्ली में बड़ी हलचल देखने को मिल रही है।

29-30 अप्रैल की रात में पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर के नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टर पर नियंत्रण रेखा के पार गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने बिना उकसावे के छोटे हथियारों से यह गोलीबारी की है. भारतीय सेना ने अब तक आर्टिलरी गन और एयर डिफेंस गन का इस्तेमाल नहीं किया है, क्योंकि पाकिस्तान की ओर से सिर्फ छोटे हथियारों से फायरिंग की जा रही है।

इसके अलावा, बारामुल्ला और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा के पार और परगवाल (शेष पृष्ठ-4 पर)

आतंकियों के खिलाफ एक्शन जारी

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार एक्शन मोड में है और पाकिस्तान पर सख्त फैसले ले रही है। इस बीच, नियंत्रण रेखा पर तनाव बढ़ता जा रहा है।

पाकिस्तान को अब परागवाल सेक्टर (अंतरराष्ट्रीय सीमा) में सक्रिय देखा जा रहा है. यहां बीएसएफ की तैनाती बढ़ा दी गई है और चौकसी कड़ी कर दी गई है। IB का कुल 209.8 किलोमीटर हिस्सा अखनूर से लेकर लखनपुर तक फैला हुआ है।

सीमा के पार तनाव के साथ-साथ कश्मीर घाटी के आंतरिक इलाकों में भी आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन जारी है। अनंतनाग में सेना, पैरा यूनिट और जम्मू-कश्मीर पुलिस की SOG (स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप) की टीम पहाड़ियों पर डटी हुई है और इलाके की सघन तलाशी ली जा रही है।

पुलवामा, शोपियां, त्राल और अनंतनाग के ऊपरी इलाकों में RR (राष्ट्रीय राइफल्स) की टीमें छोटे ग्रुपों में बंटकर आतंकियों का पीछा कर रही हैं। इन इलाकों में लश्कर-ए-तैयबा और फिदायीन टुकड़ियों की मौजूदगी की आशंका है।

पुलिस को देख भागने लगा बदमाश, गोली ने किया लंगड़ा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना वेबसिटी पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय एक शातिर बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल ने बताया कि आज सुबह समय करीब 05 बजे के आसपास जब थाना वेव सिटी पुलिस कुडिया गढी अंडरपास के नीचे चेकिंग कर रही थी तभी एक संदिग्ध व्यक्ति बाइक पर सवार होकर जाने की कोशिश कर रहा था तो पुलिस टीम को देखते ही उसने अचानक अपनी बाइक मोड़ी और भूड गढी कच्चे रास्ते (शेष पृष्ठ-4 पर)

अंसल ग्रुप के नोएडा, गाजियाबाद व लखनऊ के ठिकानों पर ईडी का छापा

लखनऊ /नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद अंसल प्रॉपर्टीज़ पर ईडी ने छापेमारी की है। ईडी 600 करोड़ रुपये के फंड डायवर्जन की जांच कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंसल प्रॉपर्टीज़ एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के तहत लखनऊ, दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा में छापेमारी की है।

आपको बता दें कि यूपी रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (यूपीरेरा) की रिपोर्ट के अनुसार, अंसल API ने विभिन्न परियोजनाओं से 600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अन्यत्र स्थानांतरित की है।

अंसल API के प्रमोटर्स, प्रणव अंसल और सुशील अंसल, पर सरकारी भूमि की अवैध बिक्री और धोखाधड़ी के आरोप हैं।

लखनऊ में अंसल ग्रुप के खिलाफ 70 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें निवेशकों से धोखाधड़ी और सरकारी भूमि की अवैध बिक्री के आरोप शामिल हैं।

अंसल एपीआई को दिवालिया घोषित किया गया है, और नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी रिजोल्यूशन प्रोसेस शुरू की है।

सुषांत गोल्फ सिटी परियोजना के प्रभावित निवेशकों ने लखनऊ में अंसल एपीआई के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने न्याय की मांग की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंसल ग्रुप के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सभी जिलों में अंसल ग्रुप के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें और प्रभावित निवेशकों के हितों की रक्षा करें।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद ही अंसल ग्रुप के नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ और दिल्ली स्थित ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है।

पहलगाम में मृतक सैलानियों की आत्मा की शांति के लिए हवन करते फोनरवा के पदाधिकारी

पहलगाम में मारे गये लोगों की आत्मा की शांति के लिए हवन

नोएडा (चेतना मंच)। आज फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) ने पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए फोनरवा कार्यालय में हवन का आयोजन किया। उपस्थित फोनरवा व आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने आतंकवाद के खिलाफ रोष व गुस्सा जताते हुए केंद्र सरकार से मांग कि आतंकवाद के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। ताकि आतंकवाद को खत्म किया जा सकें। आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता, वे सिर्फ भाईचारा व देश को बांटकर कमजोर करने का षड़यंत्र रचते हैं। ऐसे में सभी देशवासियों को एकजुटता दिखाते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी।

इस दौरान सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए प्राथनाएं की गई। (शेष पृष्ठ-4 पर)

डीएम के निर्देशों की पेट्रोल पंपों पर उड़ रही धज्जियां

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी तथा एआरटीओ विभाग के बड़े-बड़े दावों के बावजूद भी

पेट्रोल पंपों पर हेलमेट के बिना दोपहिया चालकों को पेट्रोल दिया जा रहा है।

बता दें कि मार्च के महीने में जिलाधिकारी ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए थे कि बिना हेलमेट के किसी भी पेट्रोल पंप पर दोपहिया चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों को सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा उसकी फुटेज आरटीओ विभाग में सौंपने के भी निर्देश दिए थे। यही नहीं दो दिन पूर्व एक समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने 'नो हेलमेट नो फ्यूल' के नियम को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद भी पेट्रोल पंप संचालक जिला अधिकारी के निर्देशों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

40 वर्षों बाद बहुरेंगे गोदावरी मार्केट के दिन!

2.34 करोड़ से हो रहा है नवीनीकरण व सौंदर्यीकरण का कार्य

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने

यहां दशकों से उपेक्षित प्रमुख मार्केट का अब नवीनीकरण तथा सौंदर्यीकरण करने का बीड़ा उठा लिया है।

सेक्टर-29 स्थित ब्रह्मपुत्र मार्केट के बाद अब सेक्टर-18 मार्केट, सेक्टर-110 मार्केट तथा सेक्टर-37 स्थित गोदावरी मार्केट के नवीनीकरण तथा सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू हो गया है। इसी कड़ी में सेक्टर-37 गोदावरी मार्केट का करीब 2.34 करोड़ की लागत से 40 वर्षों बाद सौंदर्यीकरण व नवीनीकरण किया जा रहा है। 30 जून तक इसका कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है। मंगलवार को इसका निरीक्षण सीईओ लोकेश एम ने किया। इस मौके पर प्राधिकरण डीजीएम सिविल विजय रालव, वरिष्ठ प्रबंधक और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मार्केट में लाइट को बढ़ाया जाए। कुछ स्थानों पर अंधेरा लग रहा है यहां अधिक लाइट लगाई जाए।

निरिक्षण के दौरान मार्केट के पीछे की ओर खाली स्थान पर गंदगी पाई गई। इसे साफ करने और स्ट्रीट के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। मार्केट के नवीनीकरण का काम 30 जून तक पूरा करने के निर्देश दिए। बता दे सेक्टर-37 गोदावरी मार्केट करीब 40 साल पुरानी है। यहां भूतल पर 38 दुकान और 5 क्योस्क है। इस मार्केट के प्रथम तल पर पांच हॉल है। यहां रोजाना हजारों की संख्या में फुटफाल है। यहां प्राधिकरण द्वारा नवीनीकरण और फसाड लाइट लगाई जा रही है। जिस पर करीब 2.34 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है।

सपा के पोस्टर से उत्तर प्रदेश की राजनीति में आया उबाल

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर लगे

पोस्टर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर, उसी हिस्से में अखिलेश यादव की तस्वीर लगाने पर यूपी की राजनीति में उबाल आ गया है। बीएसपी और बीजेपी ने सपा के पोस्टर को लेकर आक्रामक हमला बोला है। भाजपा नेताओं ने प्रदर्शन किया है। वहीं बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने भी कार्यकर्ताओं को सड़क पर उतरने के लिए कहा है। सपा के पोस्टर पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि 'यह बाबा साहब का अपमान है, सपा की दूषित मानसिकता उजागर हुई है।' उन्होंने चेताया कि देश की जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ADMISSION OPEN
SARASWATI GLOBAL SCHOOL
NCERT BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

छवि की पताका

प्रशासन में कर्म की परीक्षा कभी मुकम्मल नहीं होती, फिर भी व्यवस्था की आपूर्ति में अधिकारियों के जिम्मे किसी भी सरकार का पूरा कालखंड होता है। हर अधिकारी के फर्ज में सरकार का रुतबा गूंजता है और अगर यही नगीने खनक जाएं तो छवि की पताका पर संदेह होना लाजिमी है। सरकारों का अपना-अपना ट्रांसफर काल भी दिखाई देता है। हम इसे पटवारी से लेकर राज्य के मुख्य अधिकारी तक देख सकते हैं। लोग बेहतर समीक्षक होते हैं और कई बार सरकारों के ट्रांसफर आर्डरों का विरोध भी करते हैं, लेकिन जनापेक्षाएं भी सियासत की तरह अकसर मोम नहीं होतीं। नुकीले प्रश्नों की आबरू में सबसे ज्यादा पैमाइश और आजमाइश प्रशासनिक अधिकारियों की ही होती है, जहां हर पड़ाव एक ट्रांसफर है। जाहिर है धर्मशाला से भरमौर भेजे गए एसडीएम संजीव कुमार भोट के ट्रांसफर आर्डर भी पड़ाव रहे होंगे, लेकिन जिन संदेहों की बरसात हो रही है, उन्हें सिरे से नकारा भी नहीं जा सकता। भोट सिर्फ एक अधिकारी या सेवा काल का बिछौना नहीं कि चंद दिनों में किन्नौर, डोडरा-क्वार, धर्मशाला और अब भरमौर में प्रशासनिक अधिकारी बना कर बिछा दिया जाए। संजीव भोट से जुड़ी अपेक्षाएं एक आदमी से नहीं, उनकी क्षमता में अधिकार प्राप्त अधिकारी से हैं। जाहिर है सरकार को भरोसा है, इसलिए चौथी जगह एसडीएम बनाए गए, लेकिन बार-बार के स्थानांतरण उनके व्यक्तिगत व प्रशासनिक जीवन को कहीं न कहीं हास्यास्पद बनाते रहे हैं। यही वजह रही कि इस अधिकारी ने अपने क्षोभ की परिणति में पद से ही त्यागपत्र देकर अपनी प्रशासनिक कुंडली में विराम और सचिवालय की एक जुंडली में अविश्वास लिख दिया। यह कोई छोटी घटना नहीं, बल्कि इसने विमल नेगी से जुड़े संदेहास्पद घटनाक्रम में एक नया सवाल जोड़ दिया है। संजीव भोट के सजीव बोध को सौ फीसदी सत्य न मानें, लेकिन यह मंजर आत्म संतुष्टि का नहीं, आत्मचिंतन का जरूर है। अपने ट्रांसफर आर्डर को रेखांकित करते भोट ने जो सवाल उठाए हैं, उनके साथ प्रशासनिक अधिकारियों की एक रूठी हुई शाखा हो सकती है। कुछ तहें भले ही ढकी रहें, लेकिन सड़ांध को ढांपना मुश्किल है। क्यों एक अधिकारी के लिए नौकरी से इस्तीफा देना आसान हो गया और क्यों वह इस सुलूक को स्वर्गीय नेगी के मजमून तक ले गया। संजीव भोट को स्थानांतरित करना विशेषाधिकार रहा होगा या कुछ कारण भी गिने जा सकते हैं, लेकिन जनता की कचहरी में हर ट्रांसफर एक व्यक्ति नहीं नया विश्वास है। इसी परिप्रेक्ष्य में किसी स्कूल में ट्रांसफर आर्डर पर आनेवाला एक व्यक्ति नहीं, एक अध्यापक होता है। दुर्भाग्य से आजकल कर्मचारी-अधिकारी मोहरबंद होने लगे हैं। सरकारी नौकरी सियासी कैडर में विभक्त होने लगी है। अस्थायी सत्ता के करीब सरकारी कार्यसंस्कृति ने स्वयं को इतना कमजोर कर लिया है कि प्रशासनिक सेवाओं में लोग नेताओं के आगे पानी भरते दिखाई देते हैं। इसी संदर्भ में राजधानी की चुगलियां प्रदेश सचिवालय को ट्रांसफर का गढ़ नहीं बना सकतीं, यह असंभव है। हम तो चाहेंगे कि नेगी मौत की जांच के आसपास अगर अधिकारियों के मनोविज्ञान को पढ़ना है, तो संजीव भोट के उद्वेलित प्रश्नों को भी परख लेना चाहिए। प्रदेश की प्रशासनिक छवि के लिहाज से अधिकारियों के आत्मबल को जगाना होगा। मनोवैज्ञानिक तौर पर अगर कोई अधिकारी ट्रांसफर परिपाटी से भयभीत होकर काम करेगा, तो व्यवस्था परिवर्तन के परिणाम तीव्रगामी नहीं होंगे। ट्रांसफर में फंसा दायित्व इसी होड़ में रहे कि मन माफिक पोस्टिंग पाने के लिए हमेशा कुशल लाबिंग जरूरी है, तो वहां न प्रशासनिक चमक, न फर्ज की संस्कृति और न ही निर्णायक होने की स्थिति बचेगी। ऐसे में संजीव भोट का इस्तीफा एक सामान्य मानवीय पहलू होने के साथ-साथ ब्यूरोक्रेसी के नाज और नखरों पर प्रश्न चस्पां कर रहा है, लिहाजा कुछ तो उत्तर चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि इच्छानिर्मित मनुष्य रूप सजकर मैं तुम्हारे घर प्रकट होऊँगा। हे तात! मैं अपने अंशों सहित देह धारण करके भक्तों को सुख देने वाले चरित्र करूँगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जे सुनि सादर नर बड़भागी। भव तरिहहिं ममता मद त्यागी॥
आदिसक्ति जेहिं जग उपजाया। सोउ अवतरिहि मोरि यह माया॥

जिन (चरित्रों) को बड़े भाग्यशाली मनुष्य आदरसहित सुनकर, ममता और मद त्यागकर, भवसागर से तर जाएँगे। आदिशक्ति यह मेरी (स्वरूपभूता) माया भी, जिसने जगत को उत्पन्न किया है, अवतार लेगी॥

पुरउब मैं अभिलाष तुम्हारा। सत्य सत्य पन सत्य हमारा॥
पुनि पुनि अस कहि कृपानिधाना। अंतरधान भए भगवाना॥

इस प्रकार मैं तुम्हारी अभिलाषा पूरी करूँगा। मेरा प्रण सत्य है, सत्य है, सत्य है। कृपानिधान भगवान बार-बार ऐसा कहकर अन्तरधान हो गए॥

दंपति उर धरि भगत कृपाला। तेहिं आश्रम निवसे कछु काला॥
समय पाइ तनु तजि अनयासा। जाइ कीन्ह अमरावति बासा॥

वे स्त्री-पुरुष (राजा-रानी) भक्तों पर कृपा करने वाले भगवान को हृदय में धारण करके कुछ काल तक उस आश्रम में रहे। फिर उन्होंने समय पाकर, सहज ही (बिना किसी कष्ट के) शरीर छोड़कर, अमरावती (इन्द्र की पुरी) में जाकर वास किया॥ (क्रमश:...)

न्यायिक नियुक्ति आयोग के खात्मे का दर्द नहीं भूली केंद्र सरकार

राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से केंद्र सरकार से उत्पन्न टकराहट की जड़ में न्यायिक नियुक्ति आयोग पर दिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी। न्यायिक आयोग में सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों का भी प्रावधान किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है। इस फैसले पर भी खूब वाद-विवाद हुआ था। न्यायिक आयोग के जरिए केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में दखलंदाजी करने और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाने की बात कही गई थी। दूसरी तरफ न्यायिक आयोग की पैरवी करने वाले केंद्र सरकार के पैरवीकारों का कहना था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई-भतीजावाद हावी है। आयोग के निरस्त होने का रंज केंद्र सरकार को अभी तक है। इसी वजह से राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के लिए भी दी समय-सीमा बताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। राज्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ अदालत जा सकते हैं। इस अवधि से अधिक किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज करना होगा और संबंधित राज्य को बताना होगा। राज्यों से यह भी अपेक्षित है कि वे सहयोगात्मक बनें तथा उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग प्रदान करें तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक बवंडर आ गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले को लेकर न्यायपालिका के बारे में सख्त टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताक़तों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है।

गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार देता है कि वो पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फ़ैसला दे सकता है चाहे वो किसी भी मामले में क्यों न हो। लेकिन उप राष्ट्रपति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान की व्याख्या कर सकता है। धनखड़ ने कहा कि हमारे पास ऐसे जज हैं जो अब कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम करेंगे और एक सुपर संसद की तरह भी काम करेंगे और कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे, क्योंकि इस देश का क़ानून उन पर लागू तो होता नहीं। उप राष्ट्रपति ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के दिल्ली आवास से कथित तौर पर जले नोट मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये घटना किसी आम आदमी के घर में होती तो बिजली की गति से कार्रवाई होती। लेकिन यहां तो बैलगाड़ी की रफ़्तार से भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का हर सांसद, विधायक और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है लेकिन वे (जज) ऐसा कुछ नहीं करते।

इस पर पलटवार करते हुए डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संविधान की रक्षा करने का अधिकारी होने से किसी व्यक्ति को ये अधिकार नहीं मिल जाता कि वो संसद में पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक कर रख सकता है। सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने लिए चेक एंड बैलेंस जरूरी है। संविधान का अनुच्छेद 74(1) यह साफ कहता है कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हैं। राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए, ऐसे मामलों में स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति की टिप्पणी आरएसएस-भाजपा की ओर से विपक्ष के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को कमज़ोर करने के लिए राज्यपाल की शक्तियों के दुरुपयोग को सही ठहराती है। हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृति ख़तरनाक ढंग से बढ़ी है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति के बयानों को राजनीतिक करार देते हुए कहा कि उन्होंने आज तक किसी राज्यसभा सभापति को ऐसे बयान देते नहीं देखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति केवल नाममात्र की प्रमुख हैं। वे कैबिनेट की सलाह और स्वीकृति पर कार्य करते हैं। उनके पास कोई व्यक्तिगत निर्णय लेने की शक्ति नहीं होती। सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना चाहिए। ऐसा करना उनका अधिकार है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यूक्लियर मिसाइल तो नोटबंदी थी, तब किसी को तकलीफ नहीं हुई? दरअसल सत्तारुढ राजनीतिक दलों के राजनीतिक उद्देश्य होते हैं, जब ये संविधान के दायरे में पूरा नहीं होते तब अदालतों से टकराहट की नौबत आती है। इसकी पुनरावृत्ति निश्चित तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। ऐसे विवादस्पद मुद्दों को सभी पक्षों को मिलबैठ कर निपटाने से ही देश की संवैधानिक विविधता और एकता-अखंडता मजबूत रहेगी।

- योगेन्द्र योगी

जब द्विराष्ट्र सिद्धांत पर पाकिस्तान अटल,......

(पिछले अंक का शेष)

वैसे इस सरकार ने राम मंदिर बनवाने, कश्मीर से धारा 370 हटवाने जैसे विभिन्न हिन्दू हितैषी और राष्ट्रवादी कार्य किए, लेकिन ब्रेक के बाद होने वाले आतंकी हमलों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई यह सरकार भी नहीं कर पाई।

इसलिए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के हिन्दू चाहते हैं कि भारत को अविलंब हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाए और यहां के ष?यंत्रकारी धर्मनिरपेक्ष लोगों को पाकिस्तान/पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) भेज दिया जाए, ताकि देश में शांति बनी रहे। वहीं, हिंदुओं में एक तबका ऐसा भी है जो स्पष्ट कहता है कि संयुक्त भारत यानी भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश जब एकीकृत होकर संयुक्त भारत बनेगा, तब वह धर्मनिरपेक्ष देश बनेगा। लेकिन अभी हिंदुओं के हिस्से वाले हिंदुस्तान को अविलंब हिंदू राष्ट्र घोषित करो। भारतीय हिन्दू समाज यह भी चाहता है कि पाकिस्तानी सेना की तरह भारत की सेना भी दबंगई दिखाए और पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत में मिला कर एक समान धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता लागू किया जाए, ताकि दंगा-फसाद की कोई गुंजाइश ही आसेतु हिमालय में नहीं बचे। वहीं, चीन के नाम पर ब्लैकमेल करने वाले पड़ोसी देशों को भी भारत में मिलाकर चीन को दो टूक संदेश दिया जाए कि हिमालय को उत्तर रहो और तिब्बत खाली करो। अन्यथा हिमालय से दक्षिण में दिलचस्पी दिखाए तो अंजाम और भी बुरा होगा। भारत की इन प्रतिबद्धताओं पर अमेरिका-रूस-चीन जैसे रणनीतिकार देश साथ रहे तो ठीक, अन्यथा नई दिल्ली से सबके दूतावास बन्द किए जाएं।

जहां तक भारत के आंतरिक मामलों की बात है तो जातिवाद और भाषावाद के नाम पर हिंदुओं को बांटने वाले संविधान में अविलंब संशोधन किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी को आरक्षण नहीं मिलेगा। बल्कि जन्म लेते ही भारत की कुल भूमि में उस अंतिम जनसंख्या नम्बर से भाग देकर जो भूखंड हिस्सा मिलेगा, उतनी जमीन उसके नाम मिलेगी। उसी प्रकार भारत के कोषागार के लाभांश वाले रुपये में जन्म संख्या से भाग देकर जो हिस्सा मिलेगा, वह रुपया मिलेगा। बाद बाकी खुद जोड़ो, किसी से कोई भेदभाव नहीं। वहीं, हमारा राष्ट्रपति भारत के सबसे गरीब व्यक्ति के वेतन जितना वेतन व सुविधाएं लेगा। बाद वालों को उससे भी

कम मिलेगा, क्योंकि लोकतंत्र के अंतिम मालिक से ज्यादा वेतन नौकरों को आखिर क्यों मिलेगा? हां, जिम्मेदारी के अनुरूप सुविधाएं दी जाएं।

विचारकों का मानना है कि मोदी सरकार हिंदुओं की इन समतामूलक भावनाओं को समझे और सबको सुख-शांति-समृद्धि-सुरक्षा आदि की गारंटी दे, अन्यथा 2029 में उसकी फिर विदाई तय होगी। क्योंकि हिन्दू सबकुछ बर्दाश्त कर सकते हैं, लेकिन उनसे वोट लेकर उनके भविष्य के साथ ही कोई धर्मनिरपेक्ष सौदेबाजी करे, यह बर्दाश्त से बाहर की बात है! वैसे भी अब पीएम मोदी 75 साल की स्वनिर्धारित उम्र सीमा के पार के होने वाले हैं, इसलिए भाजपा का मार्गदर्शक मंडल उनके ग्रैंड वेलकम की तैयारी कर रहा है।वहीं आरएसएस और भाजपा से उम्मीद लगाए बैठा हिन्दू जनमानस योगी के बुलडोजर का राष्ट्र हित में अनुप्रयोग का इंतजार कर रहा है। क्योंकि अब इस देश के हिंदुओं को वैसा शासक चाहिए तो सारे कुतर्कवादियों पर बुलडोजर चलाकर शांति बनाए रखने की क्षमता रखता हो। आखिर लोकतांत्रिक नँगा नाच और हिन्दू उत्पीड़न अब बहुत हो चुका, हमें एक निर्वाचित हिन्दू तानाशाह चाहिए, जो अश्वमेध यज्ञ करे और हमारी पुरानी सीमाओं को पुन: प्राप्त करे।

ऐसा इसलिए कि एक ओर पाकिस्तानी नेता और सेनाध्यक्ष बार-बार मर्दानगी दिखा रहे हैं और दूसरी ओर हमारे नेता और सेनाध्यक्ष उसके खिलाफ चार-चार युद्ध जीतकर भी वैचारिक हिंजड़ापन यानी धर्मनिरपेक्षता की राह दिखाए जा रहे हैं, चाहे कारण जो भी हो। आखिर भारत सरकार को यह समझना होगा कि पाकिस्तानी मुस्लिम राष्ट्र का स्वस्थ और संतुलित जवाब भारतीय हिन्दू राष्ट्र ही हो सकता है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि शासन वीरता और पौरुषता से ही चलता है। इसलिए लोकतांत्रिक हिंज?पन, न्यायिक धर्मनिरपेक्षता के चक्कर में भारत के नेताओं को नहीं पड़ना चाहिए। भारत को अपनी सेना और पुलिस को खुली छूट देनी चाहिए कि जाति-धर्म की राजनीति करने वालों को गिरफ्तार करके जेल में डाल दो। भारत में सिर्फ भारतीय रहेंगे और विदेशी भाषा बोलने वाले पिल्ले या तो विदेश जाएं या फिर स्वर्गलोक, क्योंकि भारत में रहकर भारतीय हिंदुओं को जलाने-मारने की इजाजत किसी भी अन्य धर्म के लोगों को नहीं दी जा सकती है। ऐसे तत्वों से हमारी पुलिस व सेना सख्ती से निपटे, ऐसे स्पष्ट कानून बनने चाहिए। यदि आप नहीं बना सकते तो योगी जी को मौका दीजिए, यूपी की तरह ही आसेतु हिमालय शांत रहेगा। धर्मनिरपेक्ष डॉग्स जेल की सलाखों के पीछे मिलेंगे।

इसलिए भारत के हिन्दू लोग पूछते हैं कि जब द्विराष्ट्र सिद्धांत पर पाकिस्तान अटल है और खुद को मुस्लिम राष्ट्र घोषित कर चुका है तो फिर भारत खुद को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने में ढुलमुल क्यों है और कबतक धर्मनिरपेक्षता की आ? में हिन्दू चुकाएंगे इसकी कीमत! यक्ष प्रश्न है।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राशिफल

वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आमदनी में वृद्धि होगी। कुटुंबों में वृद्धि होगी। शब्द-साधक की तरह व्यवहार करेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सुकुमारता के प्रतीक बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता रहेगी, हालांकि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शुभ समय। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगा। राजनीतिक लाभ होगा। व्यापारिक संतुलन बनेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम-संतान अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी व व्यापार अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम की स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी शुभ संकेत।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग बन रहे हैं। घर में कुछ उत्सव हो सकता है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

कैंडल मार्च निकाल कर जताया विरोध

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पहलगाम में आतंकियों द्वारा हुए कायराना हमले के विरोध में ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन साइट 4 द्वारा एक संवेदना रैली व कैंडल मार्च वेनिस मॉल से चलकर रामलीला मैदान साइट 4 गोल चक्कर तक निकाला गया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी मुकुल गोयल ने दी।

एसोसिएशन के व्यापारियों ने आतंकी हमले में मारे गए देश के पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

कैंडल मार्च में रविदत्त शर्मा, मुकुल गोयल, राजेंद्र सिंघल, अरुण गुप्ता, शैलेंद्र सिंघल, शिवकुमार शर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल, अतुल जैन, सुरेंद्र कुमार, डी के गर्ग, नवनीत गुप्ता, पवन शर्मा, गौरव गर्ग, संजीव मांगलिक, सुरेश गुप्ता, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

वक्फ संशोधन को लेकर मुस्लिमों को जागरूक करेगी भाजपा, आयोजित होंगी गोष्ठियां : सत्यपाल सैनी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर वक्फ़ सुधार जन जागरण अभियान को लेकर पत्रकार वार्ता और एक वक़्फ़ जन जागरण अभियान को लेकर जिला कार्यालय पर गोष्ठी की गई। जिसमें मुख्यतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी सत्यपाल सिंह सैनी रहे।

जिला कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की। वक्फ़ बोर्ड जन जागरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी सत्यपाल सिंह सैनी ने कहा कि पहले वक़्फ़ बोर्ड में कोई पारदर्शिता नहीं थी। पहले वक़्फ़ में किसी की भी असल संपत्ति पर दावा करके उसे ले लेनें का काम होता था असल मालिक को कोई कोर्ट का रास्ता न होता था और आज के वक़्फ़ सुधार से वक़्फ़ से किसी भी मुस्लिम को कोई नुक़सान नहीं है। इसको लेकर भाजपा मुस्लिम समाज की बस्तियों में छोटी छोटी गोष्ठी से लेकर बड़े कार्यक्रम आयोजित करेगी। जिसमें अल्पसंख्यक समाज के लोगों की सहभागिता बड़ी संख्या में रहे और उसके लिये जन जागरण अभियान व्यापक रूप से चलेगा जिसमे युवाओं के साथ महिलाओं के भी द्वारा गोष्ठी का आयोजन कर जन जागरण चलेगा।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा 20अप्रैल से 10 मई तक जन जागरण अभियान पूरे गौतमबुधनगर में चलाया जायेगा वक़्फ़ सुधार के विषय विपक्ष जो भ्रांतियां भ्रम फैला रहा है उसको दूर करने के लिये वक़्फ़ सुधार के पत्रक के माध्यम से जानकारी देने का काम युवा संवाद युवा मोर्चा द्वारा किया जायेगा जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी ने कहा कि वक़्फ़ सुधार अधिनियम की जानकारी गाँव गाँव घर घर पार्टी द्वारा पत्रक विवरण से देनें का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री मनोज गर्ग धर्मेन्द्र कोरी देवा भाटी दीपक भारद्वाज कार्यक्रम संयोजक पवन रावल सतेन्द्र नागर कर्मवीर आर्य राहुल पंडित वीरेन्द्र भाटी सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी अरुण शर्मा सुनील भाटी मुकेश चौहान अर्पित तिवारी मनोज शिसोदिया आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एमिटी में 'योगोत्सव', 300 से अधिक छात्रों ने किया योग

नोएडा (चेतना मंच)। योग के विभिन्न आयामों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन द्वारा आयुष मंत्रालय के मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ योगा के सहयोग से ''योगोत्सव'' का आयोजन किया गया। इस योगोत्सव समारोह में 300 से अधिक छात्रों व शिक्षकों ने योग किया।

योगोत्सव समारोह में एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन समय से हमारे ऋषियों और पूर्वजों ने योग के महत्व को समझा है और सबको योग से निरोग बनने के लिए प्रेरित भी किया है। माना जाता है कि योग का अभ्यास सभ्यता के आरंभ से ही शुरू हो गया था। आज योग के महत्व को पूरे विश्व ने अपनाया है और 21 जून को अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आधुनिक जीवन में भागदौड़ भरी दुनिया में योग जीवन में संतुलन और शांति प्रदान करने में महत्वपूर्ण है।

पूर्व मिसेज इंडिया श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव ने छात्रों को कहा कि योग छात्रों को अनुशासित रहना और अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में अधिक जागरूक रहना सिखाता है। योग से छात्र स्वास्थ्य के प्रति आत्म जागरूक होते है, यह स्वस्थ आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

इस अवसर पर एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के मार्गदर्शक डा एस के श्रीवास्तव, डा संजय सिंह, योगोत्सव समारोह के संचालक डा उमेश सहित आयुष मंत्रालय के शोध अधिकारी डा राम नरायण मिश्रा, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के डा आशीष, योग आश्रम के डा सौरभ आदि उपस्थित थे।

ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस में सब कुछ ठीक

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस गोदाम में पहुंचकर मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन कार्यालय एवं पुलिस के सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो की सही पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सीसीटीवी कैमरों का भी गहनता से अवलोकन किया गया, सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए। इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे संबंधित पुलिस अधिकारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत एवं सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के दिशा निर्देश प्रदान किये।

सीटू नेताओं ने की 20 मई 2025 की हड़ताल को सफल बनाने की अपील

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मजदूरों को गुलाम बनाने वाले चारों श्रम संहिताओं को रद्द कराने और श्रमिकों की अन्य मांगों को लेकर 20 मई 2025 को होने जा रही राष्ट्रव्यापी औद्योगिक हड़ताल को सफल बनाने के लिए आज झंडापुर सीटू कार्यालय पर बी टी आर वाटको व वाइब्रो कास्टिंग फेस- 2, नोएडा कम्पनी के कर्मचारियों की सभा हुई।

सभा को सीटू के राष्टीय सचिव के एन उमेश ने संबोधित करते हुए केंद्र व प्रदेश सरकारों की मजदूर विरोधी नीतियों और लेबर कोड़ों से होने वाले नुकसान को रेखांकित करते हुए 20 मई 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल को पूरी तरह सफल बनाने की अपील किया।

सभा को सीटू गाजियाबाद के नेता जीएस तिवारी, गौतमबुद्धनगर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा सहित कई मजदूर नेताओं ने संबोधित किया।

औराई विस क्षेत्र में महिला सम्मान समारोह व संगोष्ठी का आयोजन

भदोही (ब्यूरो)। जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में ब्लॉक सभागार औराई विधानसभा औराई के अंतर्गत एक राष्ट्र एक चुनाव के अंतर्गत महिला सम्मान समारोह और संगोष्ठी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद बहन सीमा द्विवेदी उपस्थित रही। अध्यक्षता जिले की संयोजिका रोली सिंह व संचालन स्नेह लता श्रीवास्तव के द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि औराई विधानसभा के अंतर्गत जो महिलाओं की एक भीड़ इकट्ठा हुई है इससे प्रतीत होता है कि जनता के अंदर इस चुनाव को लेकर कितना आक्रोश है। सरकार इसकी चिंता करें और इस बिल को पास करके एक राष्ट्र एक चुनाव कराने को गंभीरतापूर्वक डिसीजन ले।

जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि हमारे जनपद के लोग सभी इस मुद्दे के साथ खड़े रहेगे। जिले की संयोजिका बहन रोली सिंह ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और आए हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया।

जिला समन्वयक समन्वयक गोवर्धन राय ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में उपस्थित ब्लॉक प्रमुख बृजमोहन मिश्रा औराई प्रोफेसर सुचिता वर्मा रीना सिंह डॉक्टर आराधना वर्मा डॉक्टर अनीता सरोज प्रोफेसर कृतिका डॉ प्रीति पाल डॉक्टर नम्रता दुबे डॉक्टर नीतू शुक्ला आरती सिंह लक्ष्मी बिना कथा उपस्थित तमाम कार्यकर्ता मातृशक्ति व बहाने एक राष्ट एक चुनाव की उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं॰ 20/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी॰) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. 1.** कार्य का विवरण : इज्जतनगर डिवीजन में समंइ/काशीपुर अनुभाग के अन्तर्गत काठगोदाम, लालकुऑं, बाजपुर, रूद्रपुर एवं काशीपुर स्टेशन यार्डो का सुधार एवं अपग्रेडेशन का कार्य। अनुमानित लागत रूपयों में : रू. 11,87,41,708.82, बयाना राशि रूपयों में : रू. 7,43,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह। **1.** ई-निविदा दिनांक 20.05.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **2.** ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी॰),
मुजाधि/डब्लू - 38 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

धूमधाम से मनाया डॉ. अंबेडकर का जन्मदिन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-36 में अंबेडकर संघर्ष मंच द्वारा आयोजित बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी का 134वां जन्मदिवस बड़ी धूमधाम एवं हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नवाब सिंह नागर ने बाबा साहेब के जीवन परिचय एवं संघर्ष के बारे में अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप में भारत तिब्बत सीमा पुलिस दिल्ली मुख्यालय में तैनात डीआईजी नरेंद्र गौतम, भाजपा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा रजनी तोमर, पूर्व विधायक होराम सिंह, सेक्टर के पूर्व अध्यक्ष चंद्रपाल बैसला, मंच के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र गौतम, संयोजक संतोष माहौर, सुरेंद्र, डॉक्टर सोरन सिंह, पुष्पेंद्र, सेवानिवृत्त एसीओ रामचंद, भाजपा नेता राजबीर सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

चारधाम यात्रा का श्रीगणेश, गंगोत्री धाम के कपाट खोले

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा का आज से श्रीगणेश हो गया है। गंगोत्री धाम कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। पीएम मोदी के नाम से धाम में पहली पूजा की गई। वहीं सीएम धामी ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस पूरा धाम हर-हर गंगे के जयकारों से गूंज उठा। उधर यमुनोत्री धाम जाने के लिए भक्तों का रेला निकलने लगा है।

यमुनोत्री धाम के कपाट भी विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। धाम में कपाटोद्घाटन के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंगोत्री धाम पहुंचकर यहां विशेष पूजा अर्चना की। पीएम मोदी के नाम से पहली पूजा की गई।

विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीय के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं दर्शन के लिए खोल दिए गए। अब निरंतर छह माह तक गंगोत्री धाम माँ गंगा के दर्शन करेंगे। बुधवार सुबह 10 बजकर 30 मिनट के अभिजीत मुहूर्त पर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए गंगोत्री धाम के कपाट खोले गए। कपाटोद्घघाटन मौके पर समूचा गंगोत्री धाम माँ गंगे के जयकारो से गूंज उठा। कपाटोद्घघाटन मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंगोत्री धाम पहुंचकर माँ गंगा के दर्शन किए।

मूर्तियों के साथ गांव में निकाली शोभायात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। सलारपुर स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर महंत आदित्य कृष्ण गिरी के

सानिध्य में श्री राधाकृष्ण, शनिदेव, बजरंगबली, भैरो बाबा एवं जाहरवीर मूर्ति स्थापना से पूर्व जिलाध्यक्ष भाकियू एवं अखिल भारतीय गुर्जर महासभा गौतम बुद्ध नगर अशोक भाटी की अगुवाई में मूर्तियों के साथ नगर परिक्रमा शोभायात्रा निकाली गई।

जिसमें बैंड बाजे, ढोल नगाड़े, ऊंट घोड़े, ट्रैक्टर और डीजे भी शामिल रहे ग्राम के सभी प्रमुख स्थानों से धार्मिक भजनों एवं धर्म धवजा के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने पुलिस प्रशासन द्वारा यात्रा के सफल आयोजन पर आभार जताया। सुखबीर प्रधान, रिकी प्रधान, सुभाष नेताजी, धर्मेंद्र भारद्वाज, सोमेश भारद्वाज, सिंहराज गुर्जर, अजय गुर्जर, पार्थ गुर्जर, जयकांत वत्स सही सैकड़ो मातृशक्ति एवं ग्रामवासियों ने इस शोभायात्रा में भाग लिया ग्राम वासियों द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं जलपान की व्यवस्थाएं की गई 30 अप्रैल को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बार एसोसिएशन ने धूम-धाम से मनाया

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के द्वारा विष्णु भगवान के छठवें अवतार परशुराम जी

का जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर बार सभागार में पहली बार यज्ञ का आयोजन किया गया और भगवान परशुराम जी के चित्र पर अधिवक्ताओं ने बड़ी संख्या में पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर बार के सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा एडवोकेट बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्र में उपस्थित हुए। इस अवसर पर जहां बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया वहीं दूसरी ओर बार के युवा अधिवक्ताओं ने भगवान परशुराम का प्रतीक फरसा भेंट कर लोगों में जोश भर दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी एडवोकेट और संचालन सचिव अजित नागर एडवोकेट के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी एडवोकेट ने सर्वप्रथम भगवान विष्णु जी के छठवें अवतार भगवान परशुराम जन्मोत्सव की सभी अधिवक्ताओं को शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने कहा कि शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है कि परशुराम जी आज भी कलियुग में अमर हैं और आठ चिरंजीवियों में उनका नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उनके हाथ में रहने वाला फरसा न सिर्फ एक दिव्य अस्त्र था, बल्कि इसकी शक्ति आज भी लोगों के बीच रहस्य का विषय बनी हुई है। जिसे समाज आज भी बड़े सम्मान और गौरव के साथ लेता है। इसके बाद उन्होंने बार के सम्मानित सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा एडवोकेट से बार की बड़ी समस्या युवा अधिवक्ताओं के लिए चैंबर के विषय में अवगत कराया और मुख्यमंत्री से मिलकर बार में चैंबरों के विषय पर सहयोग की अपील की।

वहीं इस अवसर पर भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा एडवोकेट ने भी सर्वप्रथम भगवान परशुराम को पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं इस बार का सदस्य हूं। मुझे ज्ञात है कि हमारे युवा साथियों के सामने चैंबरों की बड़ी समस्या है और आज बार की ओर से हमारे अध्यक्ष ने भी ध्यान आकर्षित कराया है। मेरा वायदा है कि मैं जल्द ही इस संबंध में माननीय मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें अपने युवा साथियों की इस बड़ी समस्या से अवगत कराने का काम करूंगा।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष योगेंद्र भाटी, रामशरण नागर, पूर्व डीजीसी देवीशरण शर्मा, ब्रहमदत्त गौड़, राजीव शर्मा, राजेंद्र नागर, पूर्व डीजीसी चमन प्रकाश शर्मा, बी डी शर्मा, डीजीसी नीरज शर्मा, रविदत्त कौशिक, प्रमोद शर्मा, नलिन शर्मा, आलोक शर्मा, सुशील भाटी, अरूण नागर, नीरज भाटी, सतपाल नागर, नीरज सुनपुरा, आदेश बंसल, गजेंद्र भाटी, के के भाटी, कृष्ण भाटी, निशांत शर्मा, अंकुश शर्मा, सुशील शर्मा, अनिल शर्मा, रजत शर्मा, कपिल शर्मा, विशाल नागर, शिवा त्यागी, ललित शर्मा, विपिन भाटी, सतेंद्र शर्मा, रोहित भाटी, जयकरण शर्मा, प्रिंस भाटी, नितिन कपासिया, अमित भाटी, दुर्गेश गौतम, चंद्रकला, अंजना शुक्ला, नीतू तिवारी, अपर्णा सिंह, ज्योति भाटी आदि लोग मौजूद थे।

ग्रेटर नोएडा की दुकानों और बाजारों में कपड़े व जूट से बने थैलों का उपयोग होगा अनिवार्य

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (GNIDA) के बोर्ड रूम में मंगलवार को अपर मुख्य

कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) श्रीलक्ष्मी वीएस की अध्यक्षता में एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पर्यावरण संरक्षण तथा पशु कल्याण से जुड़े मुद्दों पर गहन मंथन किया गया।

बैठक में प्लास्टिक उपयोग को समाप्त कर पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया। निर्णय लिया गया कि ग्रेटर नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में स्थित दुकानों और बाजारों में पॉलिथीन थैलों के स्थान पर कपड़े अथवा जूट से बने थैलों का उपयोग अनिवार्य किया जाएगा। इसके साथ ही, एकल-उपयोग प्लास्टिक (Single-Use Plastic) पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करते हुए, जनजागरूकता अभियानों को और अधिक प्रभावी ढंग से चलाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्लास्टिक से बनी अन्य वस्तुओ , जैसे डिस्पोजेबल बर्तन, स्ट्रा, चम्मच आदि — के स्थान पर बायोडिग्रेडेबल या पुनः उपयोग योग्य विकल्पों को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की संख्या को लेकर भी बैठक में गंभीरता से विचार किया गया। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि मोहल्लों में रहने वाले सभी स्ट्रीट डॉग्स की समयबद्ध नसबंदी की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए, ताकि जनसुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। प्राधिकरण द्वारा लिए गए ये निर्णय ग्रेटर नोएडा को एक स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील शहर बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम हैं। इस बैठक में इंटरनल एनर्जी फाउंडेशन की एमडी जयंती आर अयंगर, इंटरनल एनर्जी फाउंडेशन की एडिशनल सेक्रेटरी सिमरन भाटिया, एडवोकेट मनीष गुप्ता ट्रस्टी इंटरनल एनर्जी फाउंडेशन, एंटी प्लास्टिक वारियर शैल माथुर, अनुराधा डोगरा वशिष्ठ, एनिमल केयर गिवर, रितु सिंह और विधि शुक्ला आदि मौजूद रहे।

जलपुरा गोशाला में चोटिल लावारिश पशुओं की होगी चिकित्सा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में लगातार बढ़ती जनसंख्या के साथ ही लावारिस पशुओं (स्ट्रे डॉग्स, बिल्लियाँ आदि) की समस्याएँ भी सामने आ रही हैं। इन पशुओं के बीमार, चोटिल या हिंसक व्यवहार के कारण जनसुरक्षा से संबंधित शिकायतें प्राधिकरण को प्राप्त हो रही थीं। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक अहम कदम उठाया है। ग्राम जलपुरा स्थित गोशाला में एक अनुभवी पशु चिकित्सक की नियुक्ति की है। आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से सेवानिवृत्त पशु चिकित्साधिकारी सत्यपाल सिंह राठी को पशु चिकित्सक के पद पर तैनात किया गया है। राठी गोशाला में गोवंशों के उपचार के साथ ही क्षेत्र में रहने वाले चोटिल, बीमार, अथवा रेबीज प्रभावित सामुदायिक पशुओं के

उपचार, पकड़ने एवं उनके व्यवहार के निरीक्षण का कार्य भी देखेंगे। यह पहल जनसुरक्षा के साथ-साथ पशु कल्याण की दिशा में भी एक सराहनीय प्रयास है।

गौशाला के महाप्रबंधक आरके भारती ने बताया कि यदि किसी नागरिक को ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में बीमार या चोटिल सामुदायिक पशु की जानकारी मिलती है, तो वह 8860006496 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। सूचना के आधार पर आवश्यक कार्रवाई तत्काल की जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पशुओं के प्रति संवेदनशीलता और मानव-पशु सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राधिकरण का यह प्रयास क्षेत्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पशु कल्याण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

पृष्ठ एक के शेष....

बॉर्डर पर तनाव....

सेक्टर में भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तान सेना की चौकियों से बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की सूचना मिली है। भारतीय सेना के जवानों ने तेजी से मोर्चा संभाला और जवाबी फायरिंग की।

पूरे कश्मीर में LoC की लंबाई 343.9 किलोमीटर है, जबकि जम्मू क्षेत्र में 224.5 किलोमीटर की सीमा LoC के अंतर्गत आती है।

पुलिस को देख....

की तरफ भागने की कोशिश की पुलिस की टीम द्वारा जब उसे पकड़ने की कोशिश की गई तो उसने तमंचे से पुलिस टीम के ऊपर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जबाबी कार्यवाही में उसके एक पैर में गोली लग गई। जब उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम बिलाल पुत्र जहीर निवासी किले वाली मजिस्द डासना थाना वेव सिटी बताया और जब उससे और पूछताछ की गई तो पता चला कि उसके खिलाफ गाजियाबाद एवं दिल्ली एनसीआर में 2 दर्जन से भी ज्यादा केस रजिस्टर्ड हैं । थाना वेव सिटी पर पंजीकृत एक मुकदमे में ये वांछित चल रहा था और उसने ये स्वीकार किया कि उसने अपने साथी के साथ उस घटना को अंजाम दिया।

डीएम के निर्देशों की....

ऐसे पेट्रोल पंप संचालकों के खिलाफ कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। इसीलिए पेट्रोल पंप संचालक इस आदेश को महज औपचारिकता मानकर खुलेआम उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। आज ही सेक्टर 21 स्थित नोएडा स्टेडियम के पास बने डोली पेट्रोल पंप पर खुलेआम पेट्रोल पंप के कर्मचारी हेलमेट के बिना दोपहिया वाहनों को पेट्रोल देते नजर आए।

पहलगाम में मारे गये....

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के के जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय भाटी, प्रदीप वोहरा, रामपाल भाटी, सुशील कुमार शर्मा, कोशिंदर यादव, हृदेश कुमार गुप्ता, संजीव कुमार भूषण शर्मा, श्रीमती अनीता,भंवर सिंह सोमपाल सिंह, सतीश कंचन, ओ पी राघव, त्रिलोक शर्मा, अमित चौहान,दुर्गेश सिंह, कुलदीप पाल, ओमबीर बंसल, विक्रांत वासोरिया, आर के सिंह, कर्नल प्रवीण सिंह, राजेश सिंह,देवदत्त शर्मा तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सपा के पोस्टर....

सपा द्वारा लगाए गए पोस्टर पर मंत्री असीम अरुण ने कहा कि 'होर्डिंग में खुद को बाबा साहब के बराबर दिखाना सपा की दूषित मानसिकता और अनुयायियों की आस्था पर कुठारा घात है।'

बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आतंकी हमले और बाबा साहब के नाम पर राजनीति नहीं, एकता की ज़रूरत है। उन्होंने सपा-कांग्रेस को चेताया कि बीएसपी सड़कों पर भी उतर सकती है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी चेन्नई सुपर किंग्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की स्थिति इस बार बेहद खराब रही है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। बुधवार को चेन्नई के अपने घरेलू मैदान चेपक स्टेडियम में उसका सामना पंजाब किंग्स से होगा, जहां टीम अपनी किस्मत बदलने की आखिरी कोशिश करना चाहेगी। अब तक खेले गए नौ मैचों में चेन्नई को सिर्फ दो जीत मिली हैं और 7 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। इस समय वह अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर है। वहीं पंजाब किंग्स पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और चेन्नई को हराकर वह अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहेगी।

चेन्नई के लिए सबसे बड़ी परेशानी रही है उसका खुद का घरेलू मैदान, जहां टीम इस सीजन में लय नहीं पकड़ पाई। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की चोट के बाद कमान संभालने वाले महेंद्र सिंह धोनी भी टीम में जोश भरने में सफल नहीं हो सके हैं। धोनी ने खुद स्वीकार किया है कि टीम अभी तक सही योजना नहीं बना पाई है और पावरप्ले के दौरान बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में संघर्ष कर रही है।

मैच में कई दिलचस्प व्यक्तिगत भिड़ंत देखने को मिल सकती हैं। चेन्नई के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की भिड़ंत पावरप्ले में अर्शदीप सिंह से हो सकती है, जबकि बीच के ओवरों में शिवम दुबे और युजवेंद्र चहल के बीच मुकाबला देखने लायक होगा। चहल शानदार फॉर्म में हैं और चेन्नई का मध्यक्रम उनकी चुनौती से कैसे निपटता है, यह अहम रहेगा।

पंजाब की ओर से प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य लगातार शानदार शुरुआत दे रहे हैं, जिन्हें रोकने की जिम्मेदारी खलील अहमद पर होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर एक स्थिर बल्लेबाज के रूप में टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं और चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद को उन्हें रोकने

की जिम्मेदारी निभानी होगी। धोनी अब भी 43 की उम्र में एक फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन चेन्नई के अन्य बल्लेबाजों विजय शंकर, दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। गेंदबाजी में जड़ेजा, अश्विन और पथिराना का संघर्ष भी टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। पंजाब के पास अर्शदीप, चहल और मार्को यानसन जैसे संतुलित गेंदबाज हैं जो चेन्नई को कड़ी चुनौती दे सकते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स : शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रवींद्र जड़ेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, एमएस धोनी (विकेटकीपर/कप्तान), नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना

पंजाब किंग्स : प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, श्रेयस अय्यर (कप्तान), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को जानसन, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल

वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे की चमकेगी किस्मत, इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया में मिलेगी जगह! सामने आया शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इन दिनों आईपीएल 2025 की धूम मची हुई है और टूर्नामेंट में एक के बाद एक धमाकेदार मुकाबले खेले जा रहे हैं। आईपीएल के समापन के बाद भारत को इंग्लैंड के दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए रवाना होना है। इसी दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी इंग्लैंड का दौरा करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत की अंडर-10 टीम के इस दौरे के दौरान वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे भी स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

बता दें कि, टीम इंडिया इस दौरे पर 5 वनडे और दो टेस्ट मुकाबले खेलेगी। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक 21 जून को टीम यूके लैंड करेगी इस दौरे पर 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है। दोनों खिलाड़ी इस समय आईपीएल 2025 में धमाल मचा रहे हैं। वैभव जहां राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, आयुष म्हात्रे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे हैं। इन दोनों के अलावा भी कुछ अन्य खिलाड़ियों को स्क्वाड में शामिल किया जा सकता है।

इंग्लैंड का ये आगामी दौरा भारत की अंडर-19 टीम के लिए अहम तैयारी का काम करेगा। क्योंकि वे अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए कमर कस रहे हैं, जो अगले साल जनवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाला है। पिछली बार भारत की अंडर-19 टीम पिछले साल दिसंबर में यूएई में आयोजित एशिया कप के दौरान खेली थी, जहां उन्होंने फाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन आखिर में उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

स्नेह राणा के 5 विकेट, भारत ने द अफ्रीका को 15 रन से हराया

खेल डैस्क (एजेंसी)। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए श्रीलंका महिला ट्राई-सीरीज 2025 के दूसरे वनडे मैच में भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका महिला को 36 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 276/6 का स्कोर बनाया,

जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका 240 रनों पर ऑलआउट हो गई। स्नेह राणा की शानदार गेंदबाजी इस मैच का टर्निंग पॉइंट रही। उनके 5 विकेट ने दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। इसके अलावा, प्रतिका रावल की 78 रनों की पारी ने भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया, जो दक्षिण अफ्रीका के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। स्नेह राणा को उनकी शानदार 5 विकेट हॉल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनकी गेंदबाजी ने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत का अब अगला मैच श्रीलंका के खिलाफ होगा।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। स्मृति मंधाना (30) और प्रतिका रावल ने 83 रनों की सलामी साझेदारी के साथ मजबूत शुरुआत दी। प्रतिका ने 78 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उनकी शानदार फॉर्म झलकी। मंधाना के आउट होने के बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने 32 गेंदों में 41 रनों की तेज पारी खेली, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 रन बनाकर नाबाद रही। निचले क्रम में रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने उपयोगी योगदान दिया, जिससे भारत ने 276/6 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से नॉनकुलुलेको म्लाबा ने 2/55 और नादिन डी क्लर्क ने 1/39 विकेट लिए। 277 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर दबाव बनाए रखा। लॉरा वोल्वार्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने पारी को संभाला, लेकिन स्नेह राणा की शानदार गेंदबाजी ने दक्षिण अफ्रीका को बैकफुट पर धकेल दिया। राणा ने 5 विकेट झटके, जिसमें सुने लूस (28) का महत्वपूर्ण विकेट भी शामिल था। दक्षिण अफ्रीका की पारी 240 रनों पर सिमट गई, जिसमें कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और श्री चारानी ने भी उपयोगी गेंदबाजी की।

गुजरात को हराने के बाद राजस्थान के पास प्लेऑफ्स में पहुंचने का मौका

-आरआर के बाकी के चार मैच, एक भी हारी तो हो जाएगी बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के प्लेऑफ्स की रेस से अभी राजस्थान रॉयल्स बाहर लग रही थी लेकिन गुजरात टाइटन्स के खिलाफमैच से पहले टीम के बॉलिंग कोच शेन बॉन्ड ने माना था कि उनकी टीम प्लेऑफ्स की रेस से संभावित तौर पर बाहर हो चुकी है। हालांकि जिस तरह का खेल राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफदिखाया, उससे टीम के प्लेऑफ्स की उम्मीदें बढ़ गई हैं। टीम अभी भी टूर्नामेंट में बनी हुई है।

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 में अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है। पॉइंट्स टेबल में टीम 8वें स्थान पर है, लेकिन पहले स्थान वाली टीम से 8 अंक पीछे है। राजस्थान रॉयल्स को अभी चार मैच और खेलना बाकी हैं। राजस्थान की

टीम बाकी के चार और मैचों में जीत हासिल करती है तो 14 अंकों तक पहुंच जाएगी। 14 अंकों से टीम सीधे तो प्लेऑफ्स में क्वॉलिफाई नहीं कर पाएगी, लेकिन एक चांस टीम के पास होगा, क्योंकि आईपीएल के इतिहास में कई बार टीम 14 अंक हासिल करके भी प्लेऑफ्स के लिए क्वॉलिफाई करने में सफल हुई हैं।

अगर राजस्थान रॉयल्स अपने बाकी के चार मैचों में जीत दर्ज करती है तो टॉप 4 में फिनिश करने के करीब पहुंच जाएगी, लेकिन फिर टीम को कम से कम चौथे नंबर वाली टीम के खाते में 14 से ज्यादा अंक ना हो और नेट रन रेट भी राजस्थान रॉयल्स का उस टीम से बेहतर रहे। पिछले सीजन हमने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ ऐसा देखा था, जब टीम ने 14 अंक और बेहतर नेट रन रेट से प्लेऑफ्स में जगह बनाई थी। पिछले सीजन आरसीबी ने 6 में से 6 मैच आखिरी के लीग फेज में जीते थे।

बता दें राजस्थान रॉयल्स के जो चार मुकाबले बाकी हैं, उनमें एक मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफजयपुर में, 4 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ कोलकाता में, 12 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफचेन्नई में और 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफअपने होम ग्राउंड में है। इन मैचों में से अगर राजस्थान की टीम एक भी मुकाबला हारती है तो फिर प्लेऑफ्स की रेस से बाहर हो जाएगी। सीएसके वर्सेस आरआर मैच में जो टीम मैच हारेगी, वह प्लेऑफ्स से बाहर हो जाएगी।

पर्पल कैप और ऑरेंज कैप पर काफी कम इनाम देती है बीसीसीआई

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) विश्व क्रिकेट में सबसे धनी बोर्ड है।इसके बाद वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे अधिक रनों के लिए दी जाने वाली ऑरेंज कैप व सबसे अधिक विकेटों के लिए दी जाने वाली पर्पल कैप के लिए काफी कम इनामी राशि देता है। आईपीएल में पर्पल कैप और ऑरेंज कैप जीतने वाले खिलाड़ियों को सिर्फ 10 लाख रुपए दिए जाते हैं जबकि इस बड़े स्तर के टूर्नामेंट को देखते हुए काफी कम है। इसका

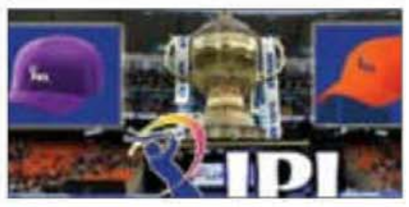

कारण है कि मैच फीस के तौर पर ही 7.5 लाख रुपए दिये जाते हैं, इसके अलावा नीलामी की राशि अलग होती है। वहीं पर्पल और ऑरेंज कैप हासिल करने के लिए खिलाड़ी को काफी प्रयास करने पड़ते हैंलेकिन उसके अनुसार रकम नहीं मिलती। आईपीएल में पर्पल कैप या ऑरेंज कैप जीतना आसान काम नहीं है। आईपीएल में सिर्फ 3 गेंदबाज हैं जो 2 बार यह कैप जीते हैं। ब्रावो ने 2013, 2015 में पर्पल कैप जीती थी। इसके अलावा भुवनेश्वर कुमार ने 2016, 2017 में यह कैप अपने नाम की थी। वहीं, ऑरेंज कैप की बात करें तो डेविड वॉर्नर ने अब तक कुल 3 बार ऑरेंज कैप जीता है. उन्होंने 2015, 2017, 2019 में यह अवॉर्ड जीता था।

आगामी टी20 विश्वकप में राहुल को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखे भारतीय टीम : पीटरसन

नई दिल्ली ।इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर केविन पीटरसन ने केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन के अनुसार राहुल को 2026 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखे। इसके साथ ही उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना चाहिये। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर सामने आये हैं। इसके साथ ही उनका स्ट्राइक रेट भी बेहतर हुआ है। भारतीय टीम में अभी विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं। चयनकर्ताओं के पास राहुल के अलावा ऋषभ पंत, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल और ईशान किशन जैसे अच्छे विकल्प हैं। राहुल 2022 विश्व कप के बाद से ही भारतीय टी20 टीम में शामिल नहीं हैं पर पीटरसन का मानना है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी कर अपनी वापसी के लिए मजबूत दावेदारी की है। ऐसे में वह विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे बेहतर हैं।

इंग्लैड दौरे में बुमराह को हर दो मैच के बाद आराम मिले : शास्त्री

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कहा है कि आगामी इंग्लैड दौरे में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर अधिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कहा कि बुमराह को हर दो मैच के बाद आराम दिया जाना चाहिये। साथ ही कहा कि उन्हें इस बात की आजादी दी जानी चाहिये कि वह अपने अनुसार मैच चुन सकें। भारतीय

टीम 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली सीरीज में इंग्लैंड से खेलेगी और इसे उसके नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत भी होगी। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे में लगी पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर रहे थे। इस गेंदबाज ने आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेल में वापसी की थी।

शास्त्री ने कहा कि मैं बुमराह को लेकर सतर्क रहूंगा। मैं उसे एक बार में दो टेस्ट मैच दूंगा और फिर ब्रेक का इंतजार करूंगा। साथ ही कहा कि आदर्श रूप से उसे चार खेलने दें। अगर वह शानदार शुरूआत करता है तो आप उसे पांच मैच खेलने के लिए कहेंगे पर ये उसके शरीर पर निर्भर करता है। बुमराह को ये तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए कि वह कौन सा मैच छोड़ता चाहता है। उन्होंने कहा कि उसे ये कहने का पहला अवसर दिया जाना चाहिए कि हां, मुझे थोड़ी परेशानी हो रही है। एक ब्रेक से उसे सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के होने से भारतीय तेज गेंदबाज इंग्लैंड पर हावी रहेंगे। शमी की अनुपलब्धता, पांचवें टेस्ट में बुमराह का चोटिल होना और सिराज की खराब फॉर्म के कारण भारत बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 1-3 से हार गया। सिराज ने तब से गुजरात टाइटंस के लिए आईपीएल में शानदार वापसी की है। शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि सिराज, जसप्रीत और शमी, ये तीनों अगर पूरी तरह से फिट हैं तो वे इंग्लैंड के लिए इंग्लैंड के लिए परेशानी हो जाएगी।

म्यूनिख विश्व कप के लिए भारतीय टीम में ओलंपिक पदक विजेता भाकर और कुसाले शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को मंगलवार को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। राष्ट्रीय टीम में पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह की वापसी हुई है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करते

दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप से लौटी है। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे।

भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस टीम के कुल 13 सदस्य म्यूनिख जाने वाली टीम में भी हैं। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चुनी गयी टीम में तीन नए खिलाड़ी भी होंगे।

महाराष्ट्र की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी रखने का मौका दिया गया है। पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नये निशानेबाजों को मौका दिया गया है। इसमें हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत का नाम शामिल है। रुद्राक्ष पाटिल और ऐश्वर्या तोमर ने स्वेच्छा से टीम से नाम वापस ले लिया है।

आईपीएल के इस सत्र में सबसे अच्छे फिनिशर के तौर पर उभरे हैं दक्षिण अफ्रीका के स्टब्स

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 18 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर ट्रिस्टन स्टब्स सबसे अच्छे फिनिशर के तौर पर उभरे हैं। स्टब्स ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रवैये से अंतिम ओवरों में जमकर रन बटोरे हैं। आईपीएल के मौजूदा आंकड़ों और पिछले साल से अब तक के आंकड़ों को देखा जाए तो कोई भारतीय खिलाड़ी नहीं बल्कि ट्रिस्टन स्टब्स आईपीएल में सबसे अच्छे फिनिशर बनकर उभरे हैं। रन बनाने के साथ ही स्ट्राइक रेट की बात हो या फिर चौके-छक्के लगाने की बात हो स्टब्स छाये हुए हैं। वहीं उनके ही हमवतन हेनरिक क्लासेन भी इस सूची में हैं पर वह स्टब्स से दूर हैं। दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और लियाम लिविंगस्टोन भी सबसे अच्छे फिनिशरों में शामिल हैं पर स्टब्स सबसे आगे हो गये हैं।

आईपीएल 2024 में स्टब्स ने 13 पारियों में 54 के औसत से बल्लेबाजी की है। इस क्रिकेटर ने अबतक 378 रन बनाये हैं। उनका स्ट्राइक रेट 190.90 का का है। स्टब्स ने 61 फीसदी रन पारी के आखिरी ओवरों में बनाए हैं। आईपीएल 2024 से आईपीएल 2025 के 45वें गेम तक केवल टिम डेविड ही छक्कों के मामले में उनसे आगे हैं। टिम ने 25 जबकि स्टब्स ने 24 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल 2024 के बाद से जिस बल्लेबाज ने 16 से 20 ओवर में 50 से ज्यादा गेंद खेली हैं। उन बल्लेबाजों में स्टब्स शीर्ष पर हैं। उनके अब क 363 रन है जिबकि उन्होंने केवल 147 गेंदों का सामना उन्होंने किया है। उनका औसत 121 का है और स्ट्राइक रेट 246.93 का है। उनके नाम 32 चौके और 24 छक्के हैं। वहीं दूसरे नंबर पर क्लासेन हैं। उन्होंने इस अवधि में 292 रन 136 गेंदों में बनाए हैं, लेकिन वे 8 बार आउट भी हुए हैं, जबकि स्टब्स सिर्फ 3 बार आउट हुए हैं। उनका औसत 36.5 का है और स्ट्राइक रेट 214.7 का है। वे 21 चौके और 21 छक्के लगा चुके हैं। तीसरे नंबर पर भारत के दिनेश कार्तिक हैं पर वह रिटायर हो गये हैं।

इतना ही नहीं, आईपीएल 2021 के बाद से जिस बल्लेबाज ने 16 से 20 ओवर में टी20 क्रिकेट में कम से कम 500 गेंदों का सामना

किया है। उनमें सबसे अच्छा स्ट्राइक रेट ट्रिस्टन स्टब्स का ही है। उन्होंने 198.55 के स्ट्राइक रेट से 1370 रन बनाये हैं। वहीं निकोलस पूरन का स्ट्राइक रेट 196.52 का है और हेनरिक क्लासेन का स्ट्राइक रेट 194.13 का है।

विराट को स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट को बेहतर बनाने की जरुरत नहीं : रंगराजन

नई दिल्ली ।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्पिन गेंदबाजी कोच मालोलन रंगराजन ने कहा है कि विराट कोहली एक शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं और उन्हें स्पिनरों के खिलाफ अपने स्ट्राइक रेट को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास की कोई जरुरत नहीं है। आईपीएल में बीच के ओवरों में कोहली के स्पिनरों के खिलाफ खेलने पर सवाल उठाए गए हैं जिसे मालोलन ने गैरजरुरी बताया है। रंगराजन ने विराट कोहली के आईपीएल 2025 में स्पिनरों के खिलाफ बेहतर स्ट्राइक रेट पर कहा कि उन्हें स्पिन के खिलाफ अपने खेल को निखारने के लिए अतिरिक्त घंटे लगाने की जरूरत नहीं है। आईपीएल में पहले भी बीच के ओवरों में कोहली के स्पिनरों के खिलाफ खेलने पर सवाल उठाए गए हैं लेकिन पिछले साल की बात करें तो मालोलन ने कहा कि कोहली को अलग थलग करना सही नहीं है। मालोलन ने कहा कि पिछले सत्र में केवल विराट ही ऐसा नहीं थे जो जरुरी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी नहीं कर रहे थे बल्कि पूरी टीम ऐसा कर रही थी। इसलिए मुझे लगता है कि पूरी टीम के साथ यही हुआ। उन्होंने कहा कि, दूसरा भाग व्यक्तिगत रूप से विराट के बारे में है। उन्हें बाएं हाथ के स्पिन और लेग स्पिन के खिलाफ अधिक अभ्यास करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने दो दशकों से अधिक समय से बल्लेबाजी की है। मालोलन ने कहा कि, वह एक महान खिलाड़ी हैं। उन्हें बस ये तय करना है कि वह क्या करना चाहते हैं और किसी विशेष गेंदबाज से कैसे निपटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, वह इतने लंबे समय से खेलने के बाद भी लगातार सुधार करने की कोशिश कररहे हैं। जो बड़ी बात है और इससे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिये। है। कोहली ने इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर हैं।

तेंदुलकर से लेकर युवराज तक, दिग्गज क्रिकेटरों ने वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर सहित क्रिकेट जगत की मशहूर हस्तियों ने 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की सराहना करते हुए इस विलक्षण बालक को एक उभरता हुआ सितारा बताया। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए सूर्यवंशी ने सोमवार की रात जयपुर में खेले गए आईपीएल मैच में गुजरात टाइटंस के राशिद खान को मिडविकेट पर छक्का लगाकर टी20 में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाला खिलाड़ी बनने के बाद क्रिकेट जगत को अपना दीवाना बना दिया।

भारत की तरफ से 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तेंदुलकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्लेबाजी की गति, लेंथ का जल्दी अनुमान लगाना और अपनी पूरी शक्ति गेंद पर लगा देना उनकी शानदार पारी का नुस्खा था। इसका

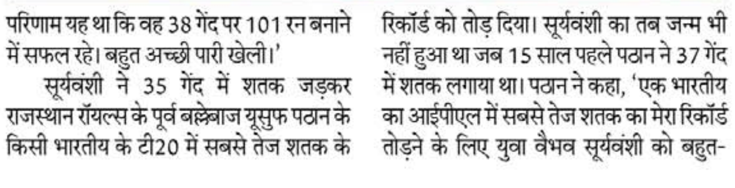

परिणाम यह था कि वह 38 गेंद पर 101 रन बनाने में सफल रहे। बहुत अच्छी पारी खेली।'

सूर्यवंशी ने 35 गेंद में शतक जड़कर राजस्थान रॉयल्स के पूर्व बल्लेबाज यूसुफ पठान के किसी भारतीय के टी20 में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। सूर्यवंशी का तब जन्म भी नहीं हुआ था जब 15 साल पहले पठान ने 37 गेंद में शतक लगाया था। पठान ने कहा, 'एक भारतीय का आईपीएल में सबसे तेज शतक का मेरा रिकॉर्ड तोड़ने के लिए युवा वैभव सूर्यवंशी को बहुत-बहुत बधाई! राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए इसे देखना और भी खास है, जैसा मैंने किया था।'

भारत के एक अन्य पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह ने कहा, 'आप 14 साल की उम्र में क्या कर रहे थे। यह बच्चा बिना पलक झपकाए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना कर रहा है! वैभव सूर्यवंशी - नाम याद रखें! वह निडर रवैये के साथ खेल रहा है। अगली पीढ़ी को चमकते देखकर गर्व है।'

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज क्रिस श्रीकांत ने सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार बताया। श्रीकांत ने कहा, '14 साल की उम्र में ज्यादातर बच्चे सपने देखते हैं और आइसक्रीम खाते हैं। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल के दावेदारों में से एक के खिलाफ शानदार 100 रन बनाए। उनका धैर्य, कौशल और साहस उनकी उम्र से कहीं अधिक है। हम एक अभूतपूर्व बल्लेबाज का उदय देख रहे हैं। भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार यहां है।'

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने लिखा, 'वैभव सूर्यवंशी, क्या अविश्वसनीय प्रतिभा है। सिर्फ 14 साल की उम्र में शतक बनाना अविश्वसनीय है। चमकते रहो भाई।'

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी को आज खेलते हुए देखकर ऐसा लगा जैसे इतिहास बनते हुए देख रहे हों। उन्होंने बड़ी सहजता से 35 गेंद पर शतक बनाया। बहुत अच्छा खेला चैंपियन।'

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इयान बिशप सूर्यवंशी के आक्रामक तेवरों से स्तब्ध रह गए। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हम उनकी प्रशंसा करते हुए बहुत आगे नहीं बढ़ेंगे, लेकिन आप इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि आज की रात बिल्कुल दिमाग हिला देने वाली थी।'

आईपीएल में इतिहास रचने वाले वैभव को मिलेंगे दस लाख, सीएम नीतीश ने किया ऐलान

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ने वाले शतक के लिए 14 साल क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को 10 लाख रुपए का पुरस्कार देने की ऐलान किया। अपने शानदार प्रदर्शन से वैभव सूर्यवंशी ने टी20 प्रारूप के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। बिहार का रहने वाला यह छोटी उम्र का क्रिकेटर टी20 क्रिकेट में शतक बनाने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बन गया है और 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ क्रिस गेल के 30 गेंदों में वीरतापूर्ण प्रयास के बाद आईपीएल के इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाला खिलाड़ी भी बना गया है। वैभव की पारी को प्रसिद्ध कृष्णा की एक तीखी यॉर्कर की जरूरत पड़ी। हालांकि तब तक वह टीम को फिनिश लाइन तक ले आए थे। नीतीश ने राजस्थान की शानदार 8 विकेट की जीत के दौरान वैभव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और मंगलवार को राज्य सरकार की ओर से 10 लाख रुपए के पुरस्कार की घोषणा की गई है। सीएम नीतीश ने एक्स पर लिखा आईपीएल के इतिहास में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने बिहार के वैभव सूर्यवंशी को बधाई और शुभकामनाएं। अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर वह भारतीय क्रिकेट के लिए नई उम्मीद बन गए हैं। सभी को उन पर गर्व है। मैं 2024 में वैभव और उनके पिता से मिला था और उस समय मैंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की थी। आईपीएल में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद मैंने उन्हें फोन पर भी बधाई दी थी।

लोक साहित्य

विनोद कुमार वर्मा

छत्तीसगढ़ी भाषा के समृद्धि में डा. शेष के भूमिका

डा. शंकर शेष ने हिन्दी साहित्य के साथ ही साथ छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ी शताब्दियों से एक लोक भाषा रही है और उसमें साहित्य सृजन की गौरवशाली परम्परा भी बनी हुई है। डा. शंकर शेष ने जहां भारतीय आर्य भाषाओं में छत्तीसगढ़ी का स्थान शीर्षक से पुस्तक का प्रणयन किया, वहीं उनकी हस्तलिखित पांडुलिपि छत्तीसगढ़ी का

भाषाशास्त्रीय अध्ययन का प्रकाशन वर्ष 2010 में छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी ने किया। ग्रियर्सन और धमतरी के व्याकरणाचार्य काव्योपाध्याय हीरालाल तथा बिलासपुर के व्याकरणाचार्य जगन्नाथ प्रसाद भानू की परंपरा को गतिशील बनाने वालों में डा. शंकर शेष का नाम श्रद्धा से लिया जाता है। छत्तीसगढ़ी को गौरवपूर्ण स्थान दिलाने में अनेक मनीषियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, उनमें से एक नाम डा. शंकर शेष है। आपका मानना था कि भाषा कोई भी हो, वह अपनी जमीन से उपजती है और पनपती है। हर भाषा समय के साथ अपना रंग रूप बदलती है। विश्व की अनेक जनजातीय बोलियां अत्यंत तेजी से विलुप्त हो रही है, उसका कारण यह है कि उनमें समय के अनुरूप बदलाव नहीं आया। वस्तुतः इसका परिणाम यह है कि आज छत्तीसगढ़ी भाषा संक्रमण के दौर से गुजर रही है, खासकर छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य में अराजकता की स्थिति है, ऐसे ऐसे नए शब्द बनाए और लिखे जा रहे हैं जो बोली ही नहीं जा नहीं जाती। वास्तव में जो बोली जाती है वही भाषा है।

ऐतिहासिक

ध्रुव सिंह ठाकुर ' कोटमिहां '

छत्तीसगढ़ में राणा प्रताप के वंशज

आज ले चार सौ साल पहिली दिल्ली के मुगल सम्राट अकबर के शासन रीहिस। वोह सेना भेज के छोटे राजा मन ल गुलाम बना ले। अकबर ह अपन सेनापति मान सिंह ल राणा प्रताप ल गुलामी स्वीकार करे ल कीहिस। राणा प्रताप कोनो भी शर्त में गुलामी स्वीकार नी करिस। ओहि बीच विधि के विधान ले बड़ तकलीफ झेलिस राणा

प्रताप हा। ओहि बीच मेवाड़ के बेपारी भामाशाह ह अकबर ले लड़े बर राणा प्रताप के पूरा सहायता करीस। राणा प्रताप अपन पांच हजार सेना ले के चित्तौड़ में हमला कर दिस। अकबर डहन ले मानसिंह सेना ले के लड़ई करिस। बिक्कट लड़े के बाद महाराणा प्रताप हा जीतत चित्तौड़ के किला ल छोड़के सब किला ल जीत लिस। ए लड़ई में महाराणा प्रताप के घोड़ा जेकर नाव चेतक रीहिस, वोकर भूमिका महत्वपूर्ण रीहिस। अपंग होय के बाद घालव अपन आखिरी सांस तक राजा ल लड़ई में सहयोग करे में कोनो कमी नी करिस। समे बदलीस, महाराणा प्रताप के वंशज मन देश भर में बगरगे। एकर संग कतको मन छत्तीसगढ़ में आके बसगे। इहा एमन ल राजपूत क्षत्रिय कहे जाथे। एमन अपन क्षत्र धरम के पालन करत कमजोर, असहाय मन ल नियाव देवाथे। छत्तीसगढ़ में कई जगा राणा प्रताप के मूरती लगे हे। बिलासपुर अऊ रायपुर समेत कई जगा में राणा प्रताप के जयंती के दिन बड़का जुलूस निकाल के वोकर वीरता, शौर्यता के सुरता करे जाथे। छत्तीसगढ़ के राजपूत क्षत्रिय मन अपन पुरखा के क्षत्र धरम ल अभी तक निभावत हे।

पुस्तक समीक्षा

ठग अऊ जग

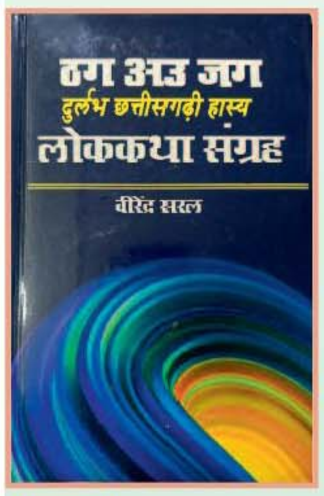

कृति के नाव: ठग अऊ जग

लेखक: वीरेन्द्र सरल

प्रकाशक: कल्पना प्रकाशन नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा: डा परदेशी राम वर्मा

मूल्य: चार सौ पचास रुपए

छत्तीसगढ़ी लोककथाओं के संग्रह का प्रकाशन हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली रचनाकारों के द्वारा शब्दांकित लोक कथाएं हैं। इसके संपादन का दायित्व मुझे मिला। उस दायित्व को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ी लोककथाओं के विराट संसार को झांककर फिर फिर देखने का अवसर मिला। मेरे द्वारा संपादित छत्तीसगढ़ की लोककथाएं देश के अन्य प्रान्तों की लोककथाओं की सिरीज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस किताब की विशेषता है कि इसमें दुर्लभ छत्तीसगढ़ी हास्य लोककथाएं बत्तीस लोककथाएं हैं।छत्तीसगढ़ी लोककथाओं के विराट संसार से वीरेंद्र सरल ने हास्य कथाओं को अपने ढंग से नए अंदाज में लिखा है। पीढ़ियों से लोककथाएं श्रुति परंपरा से जीवित रहीं। आज वही दादा दादी नानी नाना से सुनी हुई लोककथाएं कल्पनाशील लेखकों के द्वारा शब्दांकित होकर संग्रह के रुप में नई पीढ़ी तक पहुंच रही है। मनोरंजन के अपार विपुल साधनों के इस युग में भी लोककथाएं लिखी और पढ़ी सुनी सुनाई जा रही है।

छत्तीसगढ़ अंचल के सरगुजा तहसील अंबिकापुर अंतर्गत आने वाले गांव पुहपुटरा, लखनपुर, केनापार आदि में लोक एवं आदिवासी जातियों द्वारा अभ्यास की जाने वाली भित्तिचित्र ऐसी लोक कला है जो गांव की महिलाओं द्वारा कच्ची मिट्टी से बनी झोपड़ियों की दीवारों पर गोबर, चॉक मिट्टी से बनाई जाती है। इस क्षेत्र में फसल कटाई, ऋतु परिवर्तन, धार्मिक अवसरों पर अपने इष्ट देव के प्रति आस्था और मान्यताओं के अनुसार दीवारों की कलाकृतियों में निरन्तर नवीन कलाकृतियां देखने को मिलती हैं।

हर वर्ष बनाए जाते हैं सरगुजा अंचल में भित्तिचित्र

मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर के कई ग्रामों में भी ऐसी ही नवीन कलाकृतियां देखने को मिलती हैं। कहीं रक्षाबंधन में भाई की कलाई में राखी बांधती बहन दिखाई देती हैं तो कहीं वन्य जीव दिखाई देते हैं। दिवाली के समय जनजातियों द्वारा भित्ति चित्रों की सजीव कलाकृतियां बनाई जाती हैं। ऐसे समय कहीं भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास काल के बाद अपने राज्य वापसी का सुखद एवं उल्लासपूर्ण स्मृतियों को भी कलाकृतियों से सजाई जाता है कहीं जलते दीप, कहीं धान की बालियों की कलाकृतियां बनाई जाती हैं। इन कलाकृतियों के पीछे मूल कारण में घर की सुख समृद्धि की कामना होती है। दीवारों पर बनाई इन कलाकृतियों में पास पड़ोस का अति परिचित संसार अपने सामाजिक विश्वासों की ओर मूल संस्कारों की अकुंठित, सरल और आडम्बरहीन अभिव्यक्ति है। सुदूर आदिवासीय क्षेत्रों में जहां कि सजावट आदि के साधन अपर्याप्त होते थे, लोग वहां प्रचलित विभिन्न त्योहारों व धार्मिक अवसरों के समय अपने घरों की सज्जा हेतु दीवारों में कच्ची मिट्टी द्वारा पेड़ पौधों , पशु पक्षियों आदि की आकृतियां बना कर व उनमें बहुत ही मनोरम रंगों से रंग कर अपने घरों को आज भी सजाते हैं।

ग्रामीण भित्तिचित्र परंपरागत प्राचीन कलाओं का जीवंत दस्तावेज है। दीवारों पर बने इन चित्रों का संदेश बहुत व्यापक होता है। भित्ति चित्रों की कुछ झलक प्रागैतिहासिक गुफा चित्रों से भी मिलती जुलती है। आदिवासी समुदायों में इस चित्र को काफी पवित्र माना जाता है, इसमें उनकी आस्था और मान्यता जुड़ी होती है इन्हीं भित्तिचित्रों में उनकी पारंपरिक जीवन शैली और लोक परंपरा का स्वरूप उभर कर सामने आता है।

परंपरा : सतीश उपाध्याय

धार्मिक: कमल नारायण

देवसील में आज भी रामायणकालीन प्रमाण देखे जा सकते हैं

वाल्मीकि रामायण में श्रीराम के दंडकारण्य और दक्षिण कोसल से संबंधित अनेक प्रमाण उपलब्ध हैं जिनके जनश्रुति के अनुसार सीतामढ़ी -कनवाई आज देवसील के नाम से विख्यात है। इसी क्षेत्र में मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर जिले में हरचौका धाम के छतौड़ा आश्रम में कुछ समय बिताए और दक्षिण भारत के रामेश्वर धाम की तर्ज पर अपनी आध्यात्मिक शक्ति के अनेक प्रमाण उजागर किए। उस काल में छतौड़ा को शिक्षा का विशेष केंद्र माना जाता था। छतौड़ा जनकपुर से 35 कि मी दूर कोटाडोल मार्ग पर है। इन गुफाओं के भित्तिचित्रों के अवशेष शिक्षा के प्राचीन अध्याय की कहानी है। यह स्थल त्रेता युग में ऋषि मुनियों और तपस्वियों का सर्वाधिक पसंदीदा स्थल रहा है। सीतामढ़ी का कनवाई क्षेत्र ही देवशील है । इसी स्थान पर घने जंगल में सिद्ध बाबा आश्रम स्थापित है। चट्टानों से निर्मित सिद्ध बाबा आश्रम के पास तीन चार फीट ऊंची दी की बांबी है। आध्यात्मिक शांति के लिए पर्यटक इस स्थान पर अवश्य आते हैं। मानी जाती है कि माता सीता जब सीतामढ़ी में रसोई में भोजन तैयार करती थीं तब देवता भी भोजन ग्रहण करते थे। इसी परम्परा के अनुसार आज भी देवताओं को यहां प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है। आज यह स्थान पूरी तरह आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व का स्थल बन चुका है।

आस्था

सतीश शर्मा

अपार श्रद्धा है गढ़भेड़ा बाबा में

जिला धमतरी राष्ट्रीय राजमार्ग क्र 43 के कोड़ेबोड़ और बिरेझर से 5-5 कि मी पूर्व दिशा में ग्राम सिररी के पास स्थित है। गढ़भेड़ा तालाब के ऊंचे टीले में गढ़भेड़ा बाबा का मठ बना हुआ है। इस बाबा के सम्बन्ध में कई किंवदंती प्रचलित हैं। जिसके अनुसार बहुत पहले गांव के तालाब के ऊंचे टीले पर एक महात्मा आया और उस टीले के ऊपर समाधि लगा कर बैठ गया। वह महात्मा हमेशा साधना में लीन रहता था। कालान्तर में वह महात्मा समाधिस्ट हो गया। तब इस बाबा के नाम से तालाब और गांव की महत्ता बढ़ती चली गई। बाबा के अनेक चमत्कार की घटनाएं भी गांव के बुजुर्ग बताते रहे हैं। बाबा के इस स्थल पर मठ का स्वरूप दिया गया है। भक्तों का इस मठ में आना जाना लगा रहता है। भक्तों का मानना है कि बाबा पीड़ितों की मनोकामना पूरी करते हैं। 90 के दशक से कार्तिक पूर्णिमा के दिन बाबा के इस स्थल पर विशाल मेला भरता है। आसपास के

इस स्थल पर अनेक बड़े औषधीय पेड़ो का रोपण किया गया है जिससे यहां का वातावरण रमणीय और हरा भरा लगता है। यह तालाब अब पूरी तरह से धार्मिक स्थल का रूप ले चुका है, क्योंकि वर्ष भर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। दूर दूर से भक्त गण बाबा का आशीर्वाद लेने यहां पहुंचते रहते हैं। इसके साथ ही देवी देवताओं के मंदिर भी इस तालाब के किनारे देखे जा सकते हैं। भक्तों की आस्था बढ़ने से इस स्थल पर धार्मिक क्रियाकलापों से संबंधित कुछ न कुछ निर्माण कार्य होते ही रहते हैं। ग्राम के कुल देवता के रूप में भी ग्रामीणों की मान्यता है।

संस्कृति

बागेश्वर पात्र

हल्बा समाज में सुख चिवड़ा का महत्व

हल्बा समाज के उत्पत्ति का सम्बन्ध महाभारत के प्रसंग रूक्मणी हरण से भी जोड़ा जाता है। रूक्मणी हरण के समय जिन योद्धाओं ने बलराम के पक्ष में युद्ध किया था, वे बलराम के प्रिय अस्त्र हल को धारण करने लगे। हल वाहक होने के कारण यह शब्द बाद में कुछ सुधार के साथ अपभ्रंश के रूप में हल्बा में परिवर्तित हो गया। हल और बाहना से हल्बा उत्पत्ति कृषि कार्य में हल की उपयोगिता और चिवड़ा के पारंपरिक उपकरण बाहना से मिलकर हल्बा शब्द का निर्माण हुआ है। हल्बा मूलतः कृषक जनजाति है। अत्यधिक अन्न उत्पादन से शेष बचे धान को हलबिन महिलाएं उबालकर हांडी में धीमे आंच में तपाकर मूसल और चाटू की सहायता से बाहना में कुटती हैं। इस प्रक्रिया में चिवड़ा उत्पादित होता है। इस चिवड़ा को हल्बा जाति की महिलाएं बाजार में बेचकर घर परिवार की अर्थ व्यवस्था में योगदान देती हैं। चिवड़ा

कूटना हल्बा जाति की महिलाओं का पारंपरिक व्यवसाय है। बस्तर के हल्बा जनजाति में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में सुख चिवड़ा का महत्वपूर्ण योगदान है। यहां हल्बा समाज के अलावा अन्य समाजों में भी मांगलिक कार्य विशेषकर माहला (सगाई), विवाह के विभिन्न रस्म पूरे होने के पश्चात चिवड़ा गुड़ देने का रिवाज है। चिवड़ा गुड़ ने बस्तर के सभी समाजों को एक सूत्र में पिरोकर सामाजिक सदभाव में मिठास घोलने का काम सदियों से किया है। इसलिए बस्तर में इसे सुख चिवड़ा के नाम से जाना जाता है। सरगी ' साल ' पत्तों के दोनों में चिवड़ा के साथ गुड़ मिलाकर देने का सांकेतिक अर्थ रस्म विशेष की पूर्णता को बयान करता है।बस्तर के कुछ क्षेत्र विशेष में मुरिया गोंड समाज के लोग नवाखानी पर्व के अवसर पर हलबिन महिला के हाथ का बना चिवड़ा ही अपने कुल देवता में अर्पित करते हैं।

मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' में मुख्य भूमिका निभाएंगे अहान पांडे

यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी एक रोमांटिक फिल्म लेकर दर्शकों के बीच हाजिर होने वाले हैं। इस फिल्म का नाम 'सैयारा' होगा। मंगलवार को निर्माताओं ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए आधिकारिक घोषणा की। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'उनकी प्रेम कहानी अद्वितीय है।' साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया।

अहान पांडे और अनीत पड्डा निभाएंगे मुख्य भूमिका

इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अहान पांडे मोहित सूरी की इस रोमांटिक ड्रामा से डेब्यू करने जा रहे हैं। अहान चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे हैं। इससे पहले वह कई शॉर्ट फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। वहीं अनीत पड्डा वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' में नजर आ चुकी हैं। वह 2022 की फिल्म 'सलाम वेंकी' में भी नजर आ चुकी हैं। अब यशराज के बैनर तले बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू करने जा रही हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म

मोहित सूरी की इस रोमांटिक ड्रामा की काफी लंबे समय से चर्चा चल रही थी। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी बहुत कम अपडेट सामने आई थी। अब निर्माताओं ने मुख्य अभिनेताओं के साथ इसके रिलीज की घोषणा भी कर दी है। फैंस को इसके लिए ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फिल्म 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मोहित सूरी ने जहर, कलयुग, आवारापन जैसी सस्पेंस थ्रिलर फिल्में दी हैं। वह आशिकी 2, हमारी अधूरी कहानी और हाफ गर्लफ्रेंड जैसी रोमांटिक फिल्मों के लिए भी जाने जाते हैं। आखिरी बार उन्होंने 'एक विलेन रिटर्न्स' का निर्देशन किया था। अब वह एक और रोमांटिक लव स्टोरी 'सैयारा' लेकर आ रहे हैं।

पूजा हेगड़े की आगामी जबरदस्त फिल्में, कई साउथ हीरो के साथ जमेगी जोड़ी

पूजा की शानदार एक्टिंग और लुक फैंस को हमेशा से ही आकर्षित करते आए हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में पूजा का दमदार अभिनय दर्शकों का खूब मनोरंजन करने वाला है। फैंस इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पूजा की जोड़ी इन सुपरस्टार्स के साथ धूम मचाने वाली है।

रेट्रो

फिल्म रेट्रो में पूजा सूर्या के साथ दिखेंगी। फिल्म का निर्देशन कार्तिक सुब्बाराज ने किया है और इसे 1 मई 2025 को रिलीज किया जाएगा। शूटिंग अंडमान, ऊटी, केरल और चेन्नई में हुई है। संगीत संतोष नारायणन ने दिया है। इस फिल्म का संभावित नाम पहले सूर्या 44 रखा गया था। रेट्रो को दुनिया भर के सिनेमाघरों में 1 मई 2025 को रिलीज की जाएगी।

बिल्ला रंगा बाशा

पूजा कन्नड़ स्टार किच्चा सुदीप के साथ फिल्म बिल्ला रंगा बाशा में काम कर रही हैं। इसका निर्देशन अनूप भंडारी ने किया है। बीआरबी से पहले सुदीप ने एक्शन थ्रिलर मैक्स में अभिनय किया था, जो 25 दिसंबर, 2024 को रिलीज हुई थी।

जना नायगन

फिल्म जना नायगन में पूजा एक्टर दलपति विजय के साथ नजर आएंगी। यह एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन विनोथ ने किया है। विनोथ द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित तमिल भाषा की राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। पूजा और दलपति विजय के अलावा फिल्म में बॉबी देओल, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण, प्रियमणि, ममिता बैजू जैसे कई अहम कलाकार नजर आएंगे। पहले इस फिल्म का अस्थायी नाम दलपति 69 रखा गया था।

कुली

पूजा साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म कुली में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है और इसे 14 अगस्त 2025 को रिलीज किया जा सकता है। शूटिंग चेन्नई, हैदराबाद, जयपुर और बैंकॉक में हुई है। संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। कुली, एक भारतीय तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में रजनीकांत और पूजा हेगड़े के अलावा नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, सत्यराज, श्रुति हासन, रेबा मोनिका जॉन, जूनियर एमजीआर जैसे कई कलाकार नजर आएंगे। पहले इस फिल्म का अस्थाई नाम थलाइवर 171 रखा गया था। कुली को दुनिया भर में 14 अगस्त 2025 को रिलीज किया जा सकता है।

ग्राउंड जीरो में किरदार निभाने के लिए इन मुश्किलों से जूझे इमरान

इमरान काफी फिल्म ग्राउंड जीरो रिलीज हो चुकी है। फिल्म में इमरान के किरदार को काफी पसंद किया जा रहा है। इमरान ने खुलासा किया कि इस फिल्म में बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे का किरदार निभाने के लिए उन्हें कई चुनौतियों से गुजरना पड़ा। खास तौर पर उन्हें अपने खान-पान में बड़ा बदलाव करना पड़ा और कश्मीर की कठिन परिस्थितियों को अपने जेहन में उतारना पड़ा।

जवान के किरदार के लिए खानपान में बदलाव

इस रोल की मांग थी कि वह एक फौजी की तरह फिट और मजबूत दिखें। बातचीत में इमरान ने बताया, इस किरदार के लिए मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत एक ही चीज से हुई कि मुझे ज्यादा खाना पड़ा। एक जवान का रोल करने के लिए मुझे अपनी डाइट बढ़ानी पड़ी, क्योंकि शरीर को उस तरह का बल और ऊर्जा चाहिए थी, जो एक फौजी में दिखती है।

इमरान ने शूटिंग के लिए बदली डाइट

इमरान ने आगे बताया कि यह उनके लिए आसान नहीं था। मैं आमतौर पर अपनी डाइट को नियंत्रित रखता हूं, लेकिन इस किरदार के लिए मुझे महीनों तक हाई-कैलोरी डाइट लेनी पड़ी। इसमें प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा बढ़ानी पड़ी, ताकि शरीर में वह ताकत और स्टैमिना आए, जो एक बीएसएफ अधिकारी के किरदार को विश्वसनीय बनाए। इसके साथ ही उन्होंने कठिन फिजिकल ट्रेनिंग भी की, जिसमें वेट लिफ्टिंग, कार्डियो और मिलिट्री-स्टाइल वर्कआउट शामिल थे। यह सब इसलिए जरूरी था, क्योंकि फिल्म में इमरान को एक्शन सीक्वेंस और कश्मीर की मुश्किल परिस्थितियों में शूटिंग करनी थी।

क्या आलिया भट्ट बनने की राह पर बढ़ रही हैं अनन्या पांडे?

हाल ही में अनन्या पांडे, अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी 2' में नजर आईं। इस फिल्म में एक्ट्रेस के किरदार को भी सराहा गया। फिल्म की कहानी में वह जलियांवाला बाग हत्याकांड का केस लड़ने वाले सी शंकरन नायर के साथ ही एक वकील की भूमिका में दिखीं। यह फिल्म अनन्या की इमेज बदलने का काम भी कर रही है। साथ ही ऐसा लग रहा है कि अनन्या, आलिया भट्ट के रास्ते पर आगे बढ़ रही हैं, अपने करियर को आलिया की तरह ही बनाना चाहती हैं। जानिए, ऐसा किन कारणों से कहा जा सकता है?

फिल्मों के चयन में बदलाव दिखने लगा

साल 2019 में अनन्या पांडे ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से करियर शुरू किया। एक्टिंग के मामले में वह इसमें काफी कमजोर नजर आईं। फिर वह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो (2019)' में दिखीं, इसमें भी अनन्या का किरदार कुछ हटकर नहीं था। लेकिन साल 2022 में 'गहराइयां' जैसी फिल्म में वह दीपिका पादुकोण के सामने खड़ी नजर आईं। इस फिल्म में अनन्या ने खुद की एक्टिंग को भी थोड़ा बेहतर किया। इसी साल 'लाइगर' भी की। साल 2023 में अनन्या ने फिल्मों के चुनाव में बदलाव शुरू किया, 'ड्रीम गर्ल' जैसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म की तो 'खो गए हम कहां' जैसी अलग सब्जेक्ट वाली फिल्म में दिखीं। इस तरह साल 2024 में भी 'कंट्रोल' नाम की फिल्म की, 'कॉल मी बे' जैसी वेब सीरीज की। 'कंट्रोल' जैसी फिल्म में सोशल मीडिया के बुरे असर को दिखाया गया, फिल्म में अनन्या की एक्टिंग भी निखरी हुई से लगती हैं। अब वह ' केसरी 2' में नजर आ रही हैं, जिसमें आजादी से पहले की एक वकील का किरदार कर रही हैं।

अनन्या के करियर ग्राफ को ध्यान से देखें तो पता चलता है कि वह हल्के किरदारों से करियर शुरू करती हुई गंभीर, संजीदा किरदारों को निभाती हुई दिख रही हैं। ऐसा ही आलिया भट्ट ने भी अपने करियर में किया है। आलिया ने भी 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से करियर शुरू किया और 'हाइवे', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'राजी' और 'जिगरा' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इन्हीं फिल्मों के बीच वह रोमांटिक कॉमेडी फिल्में भी करती रहती हैं, 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी इस बात का उदाहरण है। देखा जाए तो एक एक्ट्रेस के रूप में आलिया धीरे-धीरे निखरती गईं। अनन्या भी ऐसा ही करती दिख रही हैं, वह भी अपने फिल्मों के चयन में संतुलन बना रही हैं। 'केसरी 2' करने के बाद वह 'चांद मेरा दिल' जैसी रोमांटिक फिल्म करेंगी।

आलिया से तुलना पर खुश अनन्या

सोशल मीडिया पर भी अनन्या पांडे के लिए कहा जाता है कि वह अगली आलिया भट्ट हैं। इस तारीफ से अनन्या भी काफी खुश होती हैं। वह इस बात को एक कॉम्पिलमेंट की तरह देखती हैं। कई इंटरव्यू में भी अनन्या ने कहा है कि वह आलिया भट्ट की तरह की अलग-अलग जॉनर की फिल्में करना चाहती हैं। अनन्या और आलिया में एक बात और कॉमन है, दोनों को ही करण जौहर ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' की फिल्मों से बॉलीवुड में लॉन्च किया था।

जेलर 2 में हुई फहाद फासिल की एंट्री

सुपरस्टार रजनीकांत एक बार फिर निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ फिल्म जेलर के सीक्वल जेलर 2 के लिए काम कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा ने ही फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। अब इस फिल्म में एक और साउथ अभिनेता का नाम जुड़ गया है। खबर के अनुसार, फिल्म जेलर 2 की शूटिंग अभी केरल में चल रही है, जिसमें रजनीकांत जी तोड़ से मेहनत कर रहे हैं। खबर है कि मलयालम स्टार फहाद फासिल भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होनी अभी बाकी है। प्रशंसक उन्हें रजनीकांत के साथ देखने के लिए उत्साहित हैं। वैसे रजनीकांत के प्रशंसकों का मानना है कि यह तमिल सिनेमा की पहली ऐसी फिल्म हो सकती है जो 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई करे। फिल्म में रजनीकांत के अलावा राम्या कृष्णन, मिरना, शिवा राजकुमार जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं अब फिल्म में फहाद फासिल का नाम जुड़ने से फिल्म को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता और अधिक बढ़ गई है। यह फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है। वादा करती है।

इंडस्ट्री में आउटसाइडर्स को भी मौके मिलने चाहिए, अभी बड़े मौके सिर्फ इनसाइडर्स को मिलते हैं

संदीपा धर, जिन्होंने इसी लाइफ में से बॉलीवुड में डेब्यू किया, दबंग 2 और हीरोपंती में छोटी भूमिकाओं के बाद इम्तियाज अली की सीरीज डॉक्टर अरोड़ा से चर्चा में आईं। अपने करियर के उतार-चढ़ावों, इंडस्ट्री में नेपोटिज्म, रिश्तों में भरोसे के महत्व और जेन जी के बदलते प्यार के तरीकों पर उन्होंने खुलकर बात की।

इंडस्ट्री में अपने डेढ़ दशक के सफर को कैसे देखती हैं। अब तक का सबसे मुश्किल दौर कौन सा रहा?

मुश्किल दौर तो खत्म ही नहीं होता है। जिंदगी ऐसी है, जहां हर रोज आपके सामने कोई ना कोई चैलेंज होता है। मुझे लगता है कि शाहरुख खान का भी हर रोज सॉर्टेड नहीं होता है। आप अलग-अलग लेवल पर अलग चैलेंज का सामना करते हैं। इस सफर में मेरा नब्बे फीसदी वक्त सेल्फ डाउट में निकला कि मैं ये कर पाऊंगी या नहीं? मैंने सही फैसला लिया या नहीं लिया? लेकिन मेरा मानना है कि अगर आप सच में किसी चीज के लिए पैशनेट हैं और कड़ी मेहनत से नहीं डरते तो किसी ना किसी तरह से यूनिवर्स आपकी मदद करती है। थोड़ा वक्त लगेगा, पर वो होगा। बस थोड़ा धैर्य रखो और खुद को समझो। सोशल मीडिया के झोंके में मत बहो। अपनी जिंदगी की दूसरों से तुलना मत करो, क्योंकि सबकी अपनी जर्नी है। सबकी परिस्थितियां अलग हैं। कंपैरिजन हमारी सबसे बड़ी दुश्मन है। हमारी इंडस्ट्री में ऐसा बहुत होता है कि ये लगता है कि उसको रोल मिल गया, मुझे क्यों नहीं मिला। नहीं यार, वो उसकी किस्मत में था, जब आपकी बारी आएगी तो आपको मिलेगा। मैं इसी सोच के साथ आगे बढ़ी हूं।

अक्सर लोग तुलना में फंस जाते हैं। नेपोटिज़्म आदि पर दोष मढ़ते हैं!

यह तो सच है कि कुछ लोगों को मौके ज्यादा मिलते हैं, यह सब जानते हैं। उनकी जहां से शुरुआत होती है, हम वहां तक पहुंचना चाहते हैं। ये फैक्ट है, मगर आप क्या करोगे। ये जिंदगी की हकीकत है तो आप उसे कबूल करके आगे बढ़ेंगे या शिकायत करते रहेंगे। मेरा मानना है कि इंडस्ट्री को इस पर काम करना चाहिए। आउटसाइडर्स को भी मौके मिलने चाहिए क्योंकि अभी बड़े मौके सिर्फ इनसाइडर्स को मिल रहे हैं। आउटसाइडर्स को उसके लिए बहुत ज्यादा संघर्ष करते रहना पड़ता है। हालांकि, उसमें भी एक बड़ी खूबसूरती है। अगर आपने स्ट्रगल नहीं किया तो आप उस तरह के कलाकार बन ही नहीं पाओगे। जैसे, पंकज त्रिपाठी, जयदीप अहलावत, इन सबका इतना लंबा संघर्ष रहा है, तभी वे सब इतने कमाल के ऐक्टर हैं।

आजकल प्यार के रिश्ते बड़े नाजुक हो गए हैं। जेन जी के जमाने में बेंचिंग, घोस्टिंग, सिचुएशनशिप जैसी चीजें आम हो गई हैं। आपके लिए रिश्ते में सबसे अहम चीज और सबसे बड़ा रेड फ्लैग क्या है?

मेरे लिए रिश्ते में सबसे अहम है, भरोसा। अगर आप किसी लड़के पर भरोसा नहीं करते तो उसके साथ रिश्ता नहीं निभा सकते। जो लड़के झूठ बोलते हैं ना, छोटी-छोटी बातों पर, वे सबसे बड़े रेड फ्लैग है क्योंकि अगर वह छोटी बातों में झूठ बोल रहा है तो बड़ी बातों में तो सौ फीसदी झूठ बोलेगा। मुझे ये भी लगता है कि इन जेन जी को हमने काफी बदनाम कर दिया है, क्योंकि आखिर में वे भी प्यार चाह रहे हैं, बस तरीका बदल गया है। आज एक्सपोजर इतना ज्यादा है, चॉइसेज इतनी ज्यादा हो गई हैं कि कोई इन बच्चों को सिखा ही नहीं रहा है कि एक रिलेशनशिप की नींव कैसे बनाते हैं। सब कुछ बहुत फास्ट हो गया है। ब्रेकअप बड़े अजीब वजहों से हो रहे हैं क्योंकि किसी में धैर्य ही नहीं है। आपको मानकर चलना होगा कि अगर दो लोग एक रिश्ते में हैं तो आपकी सोच अलग होगी।

अगर आप प्यार का प्रोफेसर होतीं तो खुद को इम्प्रेस करने के क्या स्टेप सिखातीं?

आप सच्चे रहो। वो बनने की कोशिश ना करो जो आप नहीं हैं। हम मात तब खा जाते हैं, जब कुछ और बनने की कोशिश करते हैं। आप अच्छे या बुरे, जो हैं वो दिखा दो। मुझे बहुत अच्छा लगता है, जब लोग जैसे हैं, वैसे ही बिहेव करते हैं। जैसे, अगर आप इंग्लिश में बात करने में सहज नहीं हैं तो हिंदी में बात करो। पता नहीं हमारे दिमाग में ऐसा क्यों है कि हम इंग्लिश में बात करेंगे, तभी पढ़े-लिखे दिखेंगे। ऐसा कुछ नहीं है यार। हम हिंदुस्तान में रहते हैं, हमें अपनी भाषा में बात करनी चाहिए। भारत इकलौता देश है, जहां हम अपनी भाषा को उतनी अहमियत नहीं देते हैं। बाकी, आप यूरोप के किसी भी देश में जाओ, वे अपनी ही भाषा में बात करेंगे, तो मुझे इंप्रेस करने के लिए ऑथेंटिक रहना बहुत जरूरी है।

आपके आने वाले प्रॉजेक्ट्स कौन से हैं?

यह साल मेरे लिए बहुत अहम है। मैंने दो बड़ी स्पेशल फिल्में की हैं जो इस साल रिलीज होंगी। एक के बारे में मैं बात नहीं कर सकती, मगर दूसरी लक्ष्मण उतेकर सर की फिल्म है। इसमें सनी कौशल और निम्रत कौर हैं। उसकी शूटिंग खत्म की है और मुझे बहुत मजा आया। फिल्म में मेरा रोल बहुत कमाल का है।

सब मिलकर एक राष्ट्र–एक चुनाव की आवाज बुलंद करें : विनीत अग्रवाल

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा नोएडा के सेक्टर 51 में एक राष्ट एक चुनाव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनीत अग्रवाल तथा गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा रहे। कार्यक्रम का संयोजन महानगर अध्यक्ष महेश चौहान द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनीत अग्रवाल ने कहा कि हमें एक होकर अपने राष्ट्र में एक चुनाव का नारा देना है और इसके लिए भारत के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना पड़ेगा।

राष्ट्रहित में है एक राष्ट्र-एक चुनाव : डॉ. महेश शर्मा

गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि जब तक हमारे राष्ट्र में एक चुनाव नहीं होंगे तब तक सांप्रदायिक हिंसा होती रहेंगी और जनमानस की हानि होती रहेगी। 400 लाख करोड़ रुपया का ख़र्चा एक बार के इलेक्शन से बचेगा, जो देश की प्रभुता बचाने के लिए रक्षा बजट के तौर पर प्रयोग किया जा सकता है।

कार्यक्रम के आयोजक और कार्यक्रम के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि व्यापारियों को टैक्स का पैसा उद्यमियों के टैक्स का पैसा इस प्रकार बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए।

महानगर अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी महेश चौहान ने आए सभी अतिथियों का सम्मान किया और कहा कि हमें एक होकर अपने समाज के लिए अपने राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय हित में अपनी बात रखनी है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के चेयरमैन नवनीत गुप्ता, उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, परवीन गर्ग, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल, कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल, उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह, प्रदेश सचिव मनीष शर्मा, शिवा चौहान, प्रदेश मंत्री अमित गोयल, क्रॉकरी असोसिएशन से अध्यक्ष राजेश जिंदल, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष वंदना गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रेया शर्मा, उद्योग प्रकोष्ठ से पंकज, चारु जैन, डॉक्टर ग्रीस सिसोदिया, अशोक राय, सौरव द्विवेदी अन्य व्यापारी व उद्यमी शामिल हुए।

शहर के मुख्य गणमान्य व्यक्तियों में महेश अवाना, डॉक्टर पल्लवी शर्मा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, उद्योगपति पीयूष द्विवेदी, डायमंड किंग विनय अग्रवाल, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, उद्योगपति अनुज गुप्ता, विपिन मल्हन, गौसेवक एनके अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, अभिषेक गुप्ता, गौरव अग्रवाल, युवा मोर्चा अध्यक्ष रामनिवास यादव, अर्पित अग्रवाल, सुचित्रा, गौतमबुद्धनगर की पूरी भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

भाजपा ने शुरू किया वक्फ संशोधन बिल जन जागरण अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा महानगर जिला कार्यालय सेक्टर 116 में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के निमित्त मुस्लिम समाज, गरीब मुस्लिमों, पसमांदा समाज ,मुस्लिम बुद्धीजीवियों तथा मुस्लिम महिलाओं के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान तथा कार्यक्रम के संयोजक एवं मंच संचालक युद्धवीर चौहान तथा सह संयोजक चमन अवाना उपस्थित रहे।

मुस्लिम समाज को संबोधित करते हुए बसंत त्यागी ने कहा कि वक्फ सुधार मुस्लिम समाज के गरीब, पिछड़े एवं महिलाओं के लाभ के लिए ही है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से वक्फ की वास्तविक संपत्ति का लाभ उन्हीं के समाज के लोगों के उत्थान में होगा, उन्होंने बताया कि वक्फ की सम्पतियों से बच्चों के लिए अच्छे स्कूल, अस्पताल इत्यादि जन उपयोगी कार्य भी किए जाने चाहिए जिससे उसका समाज और देश के विकास में भी योगदान हो।

जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने मुसलमानों को संबोधित करते हुए कहा कि वक्फ की असीमित शक्तियों पर अंकुश लगने से वक्फ में व्याप्त भ्रष्टाचार भी कम होगा और उसका सही उपयोग मुसलमानों के विकास में हो सकेगा।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, डिंपल आनंद, महेश अवाना, प्रज्ञा पाठक एहसान खान हसन, सरताज जीनत, वज़ीहा, जियाउर्रहमान, आदिल, नईम खान, फरमान, मोविन, सलमान, अब्दुल, अनीस, जुलखान, हसमुद्दीन, नदीम, अनवर, अशफाक, हारून, भूपेश चौधरी राहुल शर्मा अशोक मिश्रा, भाजयुमो अध्यक्ष रामनिवास यादव, मीडिया प्रभारी अर्पित मिश्रा, सोशल मीडिया प्रभारी शिवांस श्रीवास्तव, पंकज झा गौतम शर्मा शशिधर उपाध्याय नीरज चौधरी प्रदीप चौहान, सत्यनारायण महावार दीनबंधु कुमार अमित नागपाल शिवम पाठक कालू पंडित जितेंद्र तोमर पंकज त्रिपाठी प्रवीण कुमार झा सिरोही देवेंद्र सिंह इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एमएसएमई एंड कासा आउटरीच कैंप का हुआ शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने एमएसएमई व कासा पर आउटरीच कैम्प का आयोजन किया।

इस मौके पर वित्तीय संस्था यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के केंद्रीय मुख्य महाप्रबंधक बीजू वासुदेवन ने गाजियाबाद और नोएडा गौतमबुद्धनगर की सभी ब्रांचों की एमएसएमई वर्ग के लिए लाभकारी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि केंद्र सरकार और आरबीआई के निर्देशानुसार हर प्रकार की वित्तीय सहायता दी जानी चाहिए। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एनसीआर मंडल प्रमुख मुख्य महाप्रबंधक संजय नारायण ने बताया कि बैंक एमएसएमई वर्ग की वित्तीय सहायता के लिए उनको सभी योजनाओं से अवगत करवाने के लिए पहले भी ऐसे आयोजन करता रहा है और आगे भी करेगा।

एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा जिला गौतमबुद्धनगर के औद्योगिक क्षेत्र के बारे में विस्तार से बताते हुए बैंक की ओर ब्रांचें खोलने और एमएसएमई वर्ग के उद्योगों को वित्तीय सहायता करने की मांग भी रखी। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट गौतबुधनगर ब्रांच के अध्यक्ष सीए पवन चौहान ने उद्योगों और बैंक के बीच की औपचारिकता में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका को निभाने की बात कही।

भारत का हर जागरूक नागरिक देखे फुले फिल्म : राजकुमार भाटी

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ग्रेटर नोएडा स्थित ओमेक्स कनॉट प्लेस मॉल में सामूहिक रूप से फुले मूवी देखी। इसके लिए पार्टी की ओर से पूरा शो बुक कराया गया था। मूवी देखने के बाद लोगों ने कहा कि हर जागरूक भारतीय नागरिक को यह मूवी जरूर देखनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने बताया कि ओमेक्स कनॉट प्लेस मॉल स्थित पीवीआर इनॉक्स सिनेमा का पूरा शो समाजवादी पार्टी ने बुक कराया था । पार्टी के 210 कार्यकर्ताओं ने एक साथ यह मूवी देखी । यह मूवी 19वीं शताब्दी में महात्मा ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी राष्ट्र माता सावित्रीबाई फुले द्वारा सामाजिक बुराइयों के खिलाफ किए गए संघर्षो पर आधारित है । भारत के हर जागरूक नागरिक को यह मूवी जरूर देखनी चाहिए ।

फिल्म देखने वालों में प्रमुख रूप से राजकुमार भाटी, सुधीर भाटी ,गजराज नागर, अक्षय भाटी, विकास भाटी, दीपक नागर, हैप्पी पंडित, हुकम सिंह भारती, नरेंद्र नागर,अनिल प्रजापति, विपिन सेन, बबलू सेन, मेहंदी हसन, मोहम्मद उमर उर्फ राजू नंबरदार, हारून सैफी, सुभाष भाटी, सुनील भाटी, मुकेश यादव, अनिल चौधरी, नवनीत शर्मा, संजय भाटी, हरीश खारी ,देवेंद्र टाइगर, विक्रम टाइगर, अमित भाटी आदि लोग उपस्थित रहे

खुले पड़े हैं बिजली के पैनल बॉक्स, गेट हुए चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले नोएडा शहर के कई सेक्टरों में खतरा मंडरा रहा है। विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण सेक्टरों में बिजली के पैनल खुले पड़े हैं। इन खुले पैनलों में दौड़ रहे करंट से हादसा हो सकता है।

नोएडा के रिहायशी व औद्योगिक सेक्टरों में लगे बिजली के पैनल खुले पड़े हैं। विद्युत विभाग द्वारा लगाये गये बिजली के पैनलों के गेट चोरों ने चुरा लिए हैं। नोएडा के सेक्टर-12, 11 और 22 समेत कई सेक्टरों में बिजली के पैनल खुले पड़े हैं इनमें नंगी तारें लगी हुई हैं और विद्युत विभाग ने इन पैनलों में एमसीवी भी नहीं लगाई है। खुले बिजली के पैनलों के बारे में सेक्टरवासियों ने विद्युत विभाग से शिकायत भी की है, लेकिन विभाग के अधिकारियों की नींद नहीं टूटी है और पैनल के गेट चोरी हो जाने की वजह से विभाग द्वारा दोबारा पैनल गेट नहीं लगाये गये हैं। सेक्टरवासियों का कहना है कि खुले बिजली के पैनल खतरे से कम नहीं। कभी भी कोई व्यक्ति, बच्चा या पशु इसमें दौड़ रहे करंट का शिकार हो सकता है।